UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-256 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शनिवार 29 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

गोरखपुर को 130 करोड़ की सौगात देंगे सीएम योगी, कल्याण मंडपम का करेंगे लोकार्पण

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को गोरखपुर को 130 करोड़ की 170 परियोजनाओं की सौगात देंगे। इसके अलावा यहां बशारतपुर में नवनिर्मित कल्याण मंडपम का भी उद्घाटन करेंगे। कल्याण मंडपम का निर्माण मुख्यमंत्री की विधायक निधि से कराया गया है।

इस अवसर पर वह मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी नगर निगम की 140 और जीडीए की कुल 30 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। कल्याण मंडपम परिसर में आयोजित समारोह के दौरान सीएम योगी नगर निगम की 47.15 करोड़ की 109 विकास कार्यों का शिलान्यास और 69.99 करोड़ के 31 कार्यों का लोकार्पण करेंगे। जबकि कल्याण मंडपम सहित जीडीए की, 10.84 करोड़ रुपये के 15 विकास कार्यों का लोकार्पण और 2.75 करोड़ रुपये के 15 कार्यों का शिलान्यास भी मुख्यमंत्री करेंगे। महानगर के वार्ड नंबर 80, रासी नगर के अंतर्गत बशारतपुर कल्याण मंडपम का निर्माण 2593 वर्गमीटर भूमि पर 3.10 करोड़ रुपये की लागत से कराया गया है। आधुनिक सुविधाओं और आकर्षक वास्तुकला से सुसज्जित कल्याण मंडपम दो तल में निर्मित है। भूतल पर 225 लोगों की क्षमता का हाल, किचन, स्टोर, ऑफिस, चेंज रूम और महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग टॉयलेट बनाए गए हैं। प्रथम तल पर एक हाल, अटैच्ड टॉयलेट और ड्रेसिंग रूम सहित छह कमरों का निर्माण कराया गया है। जीडीए के उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल ने बताया कि परिसर में मुख्य भवन के सामने एक आकर्षक फव्वारा भी बनवाया गया है। कल्याण मंडपम आने वाले वाहनों के लिए परिसर के अंदर ही इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाकर अलग से पर्याप्त पार्किंग का प्रावधान किया गया है। परिसर में लॉन भी विकसित किया गया है और फूल पौधे लगाकर सजाया गया है। कल्याण मंडपम बनाने का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को विवाह, तिलक, मुंडन और अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए किफायती दरों पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नगर निगम की जिन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे, उनमें सड़क और नाली निर्माण से लेकर पार्कों का सुंदरीकरण, स्ट्रीट लाइट, जलापूर्ति, सीवर और जलभराव से राहत के काम शामिल हैं। शिलान्यास की परियोजनाओं में 11.92 करोड़ रुपये से 41 सड़कों और नालियों का निर्माण, 7.60 करोड़ रुपये से 47 पार्कों का सुंदरीकरण, नेताजी सुभाष चंद्र बोस नगर में कर्मचारियों के लिए 5.07 करोड़ रुपये से आवासीय भवन का निर्माण, प्रकाश व्यवस्था मजबूत करने के लिए 5.57 करोड़ रुपये से 7 कार्य, पेयजल और जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए 16.99 करोड़ रुपये के 13 कार्य शामिल हैं।

सब भूल चूक माफ', बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने बाबा रामदेव को कहा 'बड़े भैया', योग गुरु ने राखी पर भेजी मिठाई

(यंग भारत न्यूज)

बॉलीवुड एक्ट्रेस-बीजेपी सांसद कंगना रनौत और योग गुरु बाबा रामदेव ने कई दिनों तक एक-दूसरे पर तीखे हमले करने के बाद अब अपने मन की बात कह दी है। आज यानी 28 अगस्त 2026 (शुक्रवार) को रक्षा बंधन मनाते हुए, दोनों ने उस विवाद को खत्म करने का फैसला किया, जो तब शुरू हुआ था जब बाबा रामदेव ने जेन-जी प्रदर्शनकारियों पर कंगना रनौत की टिप्पणी को लेकर उन्हें आड़े हाथों लिया था।इसके बाद के दिनों में बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने कई इंटरव्यूज में योग गुरु बाबा रामदेव पर पलटवार किया और उनकी असहमति को सोशल मीडिया पर हुई कहासुनी से लेकर पूरी तरह से पब्लिक में जुबानी जंग तक पहुंचा दिया था।हालांकि रक्षा बंधन के मौके पर बाबा रामदेव ने कंगना रनौत से संपर्क किया और कहा कि वो इस विवाद को संवाद से खत्म करना चाहते हैं। इसके बदले में कंगना रनौत ने उनकी बात मान ली और कहा कि उन्होंने त्योहार के मौके पर उन्हें माफ कर दिया है। -मीडिया से बात करते हुए बाबा रामदेव ने कंगना रनौत को अपनी श्रद्धामयी बहन बताया और इस बात पर जोर दिया कि देश में कोई नफरत या दुश्मनी नहीं होनी चाहिए। बाबा रामदेव ने कहा- बहन कंगना रनौत को ये गिफ्ट और ये मिठाई हम पोस्ट से भेज दे रहे हैं। किसी भी तरह से, किसी भी वजह से देश में नहीं होनी चाहिए। एक दूसरे के प्रति बैर भाव नहीं होना चाहिए, इसलिए हमने सब बैर का परित्याग किया है। बाबा रामदेव ने कहा- पिछले दिनों कहा जा रहा था कि बाबा राम देव और बहन कंगना रनौत में कहीं विवाद तो नहीं हो गया। विवाद को बात करके खत्म करें। आज हम फोन भी लगाएंगे कंगना बहन को और उनको बोलेंगे रक्षाबंधन की शुभकामनाएं। कंगना रनौत ने बाबा रामदेव के इस नए कदम की तारीफ करते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा है- त्योहार का दिन होता है, सब भूल चूक माफ करने के लिए है, मेरे भाई बाबा राम देव जी ने बहुत अच्छा कहा कि झगड़ा नहीं, बातचीत होनी चाहिए। आज रक्षाबंधन के दिन मैं उनकी मिठाई और बड़े भाई का प्रेम दोनों व्यक्त करती हूं। बहुत धन्यवाद ईश्वर आपको लंबी उम्र दे। -बाबा रामदेव का ये बयान कंगना रनौत के जेन-जी प्रदर्शनकारियों पर किए गए कमेंट्स, जिसमें उन्हें गटर जेनरेशन कहना भी शामिल था, को लेकर दोनों के बीच कई दिनों तक तीखी नोकझोंक के बाद आया है। योग गुरु ने उनके कमेंट्स पर आपत्ति जताई थी और युवा पीढ़ी के बारे में उनके बोलने के तरीके पर सवाल उठाया था। वहीं से बात करते हुए बाबा रामदेव ने पहले कहा था- कंगना रनौत का बचपन कैसा था? उनकी जवानी कैसी थी? उनकी पिछली उपलब्धियां कैसी थीं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। युवाओं को 'जनरेशन गटर' कहना खराब दिमाग की निशानी है।

मोदी कैबिनेट में बडा फेरबदल जल्द: 20 सांसदों की चमकेगी किस्मत?

(यंग भारत न्यूज)

नरेंद्र मोदी सरकार में कैबिनेट फेरबदल की चर्चा एक बार फिर बेहद गर्म हो गई है। देश के सियासी गलियारों में यह दावा तेजी से फैल रहा है कि करीब 20 नए सांसदों को मोदी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। हालांकि, अभी तक सरकार या सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की तरफ से ऐसा कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। इसलिए फिलहाल इसे पक्की खबर नहीं, बल्कि संभावित बदलावों को लेकर चल रही राजनीतिक अटकलों के तौर पर ही देखा जा रहा है।

इन चर्चाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुछ सांसदों के साथ चाय पर मिलने की खबर ने सियासी हलचल और बढ़ा दी। बताया गया कि गुरुवार को पीएम कुछ खास सांसदों से मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि, भाजपा ने न तो चाय के इस न्योते की आधिकारिक पुष्टि की और न ही यह बताया कि अगर यह बैठक होती है तो इसका मुख्य एजेंडा क्या होगा। प्रधानमंत्री पहले भी समय-समय पर एनडीए सांसदों के साथ अनौपचारिक बातचीत करते रहे हैं। इसलिए सिर्फ सांसदों के साथ चाय पर मुलाकात को कैबिनेट विस्तार का सीधा संकेत मान लेना थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन मौजूदा राजनीतिक माहौल में इस तरह की बैठक को लेकर अटकलें लगना बिल्कुल स्वाभाविक है। खासकर इसलिए

क्योंकि भाजपा ने हाल ही में अपने संगठन में बहुत बड़ा फेरबदल किया है। ऐसे में पार्टी संगठन और सरकार के बीच जिम्मेदारियों के नए बंटवारे को लेकर चर्चा तेज होना बेहद दिलचस्प है। कैबिनेट फेरबदल की चर्चाओं को सबसे ज्यादा हवा भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम के ऐलान के बाद मिली है। 17 अगस्त को पार्टी ने अध्यक्ष नितिन नवीन की अगुवाई में नए पदाधिकारियों की पूरी टीम घोषित की। भाजपा की नई टीम में कुल 65 पदाधिकारी शामिल किए गए हैं, जिनमें से 51 चेहरे बिल्कुल नए हैं। उम्र के हिसाब से देखें तो 6 पदाधिकारी 40 साल से कम उम्र के हैं, 15 की उम्र 40 से 49 साल के बीच है, जबकि 21 पदाधिकारी 50 से 59 साल के आयु वर्ग में आते हैं। पार्टी की नई टीम में 12 महिलाएं और अल्पसंख्यक समुदाय से 6 नेताओं को भी शामिल किया गया है। भाजपा ने इस बदलाव को आगामी 2029 के लोकसभा चुनाव और राज्यों के विधानसभा चुनावों की तैयारियों से जोड़कर देखा है। यानी संगठन में बड़े पैमाने पर चेहरे बदले गए हैं और अब इसी के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी बदलाव की संभावना को लेकर सवाल उठने लगे हैं। नई भाजपा टीम में एक बड़े केंद्रीय मंत्री को भी बेहद अहम जिम्मेदारी दी गई है। पीयूष गोयल को पार्टी का नया राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। यह नियुक्ति इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि गोयल मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री होने के साथ-साथ अब संगठन का भारी-भरकम काम भी संभालेंगे। गोयल का भाजपा संगठन से पुराना पारिवारिक जुड़ाव भी रहा है। उनके पिता वेद प्रकाश गोयल अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में केंद्रीय मंत्री थे और लंबे समय तक भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रहे थे। खास बात यह है कि नई संगठनात्मक टीम में शामिल होने वाले पीयूष गोयल इकलौते केंद्रीय मंत्री हैं। ऐसे में पार्टी और सरकार की जिम्मेदारियों के बीच नए तालमेल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा का यह संगठनात्मक बदलाव करीब एक दशक बाद लिया गया इतना बड़ा कदम है। इससे पहले 2015 में अमित शाह के भाजपा अध्यक्ष रहते हुए संगठन में बड़ा फेरबदल किया गया था। नई टीम में ऐसे नेताओं को भी अहम जिम्मेदारियां मिली हैं, जिनका पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक कद थोड़ा कम हुआ था। अब उन्हें संगठन में दोबारा महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है, जिनमें स्मृति ईरानी और राम माधव के नाम खास तौर पर चर्चा में हैं।

स्मृति ईरानी 2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से चुनाव हार गई थीं, जिसके बाद वह संसद से बाहर हो गईं। अब संगठन में उनकी वापसी को राजनीतिक तौर पर बेहद अहम माना जा रहा है।

रक्षा बंधन और कजरिया पर्व पर बुंदेलखंड की ऐतिहासिक गाथा

- उरई में पूर्णिमा के अगले दिन मनाया जाता है रक्षाबंधन, 844 साल पुरानी वीरगाथा से जुड़ी है परंपरा
- राजकुमार अभई के बलिदान और चंदेल सेना की विजय की स्मृति में परेवा को राखी बांधने की मान्यता
- उरई क्षेत्र के कई गांवों में पूर्णिमा के बजाय अगले दिन होता है रक्षाबंधन, कजलियों का होता है विसर्जन
- महोबा के कीरतसागर तट पर भुजरियों के युद्ध से जुड़ी है परंपरा, बुंदेली लोक संस्कृति में आज भी जीवित है कथा
- जालौन के माधौगढ़, कुठौंद, रामपुरा और कालपी क्षेत्र में पूर्णिमा के दिन ही मनाया जाता है पर्व

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन), 28 अगस्त। बुंदेलखंड की धरती वीरता, शौर्य और बलिदान की अनगिनत गाथाओं को अपने भीतर समेटे हुए है। इन्हीं लोक ऐतिहासिक परंपराओं में उरई क्षेत्र में रक्षाबंधन से जुड़ी एक अनूठी परंपरा भी है। यहां आसपास के कई गांवों में रक्षाबंधन पूर्णिमा के दिन नहीं, बल्कि उसके अगले दिन यानी परेवा को मनाया जाता है। इस दौरान कजलियों का तालाबों और सरोवरों में विसर्जन किया जाता है और कजली उत्सव के माध्यम से बुंदेलखंड की वीरगाथाओं को याद किया जाता है।

लोक परंपरा के अनुसार इस अनूठी परंपरा का संबंध करीब 844 वर्ष पुरानी 1182 ई. की उस घटना से है, जब महोबा के कीरतसागर तट पर भुजरियों का युद्ध हुआ था। बताया जाता है कि इस युद्ध में उरई के राजा माहिल के पुत्र राजकुमार अभई वीरगति को प्राप्त हुए थे। जिस दिन अभई का बलिदान हुआ, उसी दिन रक्षाबंधन था। युद्ध और शोक के वातावरण के कारण उस दिन रक्षाबंधन नहीं मनाया गया। अगले दिन चंदेल सेना की विजय का समाचार मिलने पर राखी बांधकर विजय उत्सव मनाने की परंपरा शुरू होने की मान्यता है। बुंदेली लोक संस्कृति के विशेषज्ञ डॉ. हरिमोहन पुरवार के अनुसार, यह प्रसंग

चंदेलों और पृथ्वीराज चौहान की सेनाओं के बीच हुए संघर्ष से जुड़ी लोकगाथाओं में मिलता है। लोक परंपरा में बताया जाता है कि युद्ध के समय आल्हा और ऊदल महोबा में मौजूद नहीं थे। इसी दौरान राजकुमारी चंद्रावल ने अपनी सखियों के साथ हाथों में तलवार लेकर चौहान सेना का मुकाबला किया। चंदेल पक्ष के योद्धाओं ने भी युद्ध में अदम्य साहस का परिचय दिया। कथा के अनुसार, जब आल्हा-ऊदल को संघर्ष की जानकारी मिली तो वे साधु वेश में महोबा पहुंचे और चौहान सेना से भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच भीषण संघर्ष हुआ। इसी युद्ध में उरई के राजा माहिल के पुत्र राजकुमार अभई वीरगति को प्राप्त हुए। बाद में चंदेल सेना ने पृथ्वीराज चौहान की सेना को पराजित कर दिया।लोकगाथाओं में इस पूरे घटनाक्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी उरई के राजा माहिल से भी जुड़ी बताई जाती है। कहा जाता है कि माहिल जिस प्रतिहार वंश के उत्तराधिकारी थे, उसी प्रतिहार वंश का कभी महोबा पर शासन था। बाद में चंदेलों ने प्रतिहारों से महोबा सहित उनके साम्राज्य के बड़े हिस्से पर अधिकार कर लिया। बताया जाता है कि माहिल की बहन मल्हना का विवाह चंदेल नरेश परमाल से हुआ था। इस पारिवारिक संबंध के चलते माहिल को चंदेल राजदरबार में मंत्री की भूमिका निभानी पड़ी। लोक परंपरा में इसे माहिल के लिए पुराने राजनीतिक और पारिवारिक गौरव के विपरीत स्थिति माना गया है। कहा जाता है कि उनके मन में इस स्थिति को लेकर वर्षों तक टीस बनी रही। बुंदेली लोकगाथाओं और ऐतिहासिक परंपराओं में माहिल को चंदेलों के विरुद्ध कई षड्यंत्रों का सूत्रधार बताया गया है। कजली की लड़ाई, सिरसा का युद्ध, बेतवा नदी के किनारे हुआ संघर्ष और बैरागढ़ का युद्ध इसी क्रम का हिस्सा माने जाते हैं।लोककथा के अनुसार, माहिल जानते थे कि महोबा में आल्हा-ऊदल जैसे रणबांकुरों की मौजूदगी में राजा परमाल को पराजित करना आसान नहीं था। इसलिए उन्होंने लगातार उनके विरुद्ध रणनीतियां बनाने की कोशिश की। इसी क्रम में पृथ्वीराज चौहान को महोबा की ओर बढ़ने के लिए उकसाने की कथा भी लोक साहित्य में सामने आती है। कहा जाता है कि राजा माहिल अपने पुत्र अभई को इस संघर्ष से दूर रखना चाहते थे, लेकिन अभई वीरता की परंपरा से पीछे नहीं हटे। वह आल्हा-ऊदल की ओर से लड़ने महोबा पहुंच गए। युद्ध में उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया और अपने प्राण न्योछावर कर दिए। लोक मान्यता के अनुसार जिस दिन अभई वीरगति को प्राप्त हुए, उसी दिन रक्षाबंधन था। उनकी मृत्यु के शोक और युद्ध के माहौल के कारण उरई में उस दिन राखी का पर्व नहीं मनाया गया। अगले दिन चंदेल सेना की विजय का समाचार पहुंचा तो रक्षाबंधन को विजय उत्सव के रूप में मनाया गया। इसी के साथ कजलियों को तालाबों और सरोवरों में विसर्जित करने की परंपरा भी जुड़ी बताई जाती है। भुजरियों के युद्ध की स्मृति आज भी बुंदेलखंड की लोक संस्कृति में जीवित मानी जाती है। विजय के बाद कजलियों के विसर्जन और पूर्णिमा के अगले दिन रक्षाबंधन मनाने की परंपरा कुछ क्षेत्रों में आज भी निभाई जाती है। इस अवसर पर कजली उत्सव और मेले आयोजित होने की परंपरा भी बताई जाती है।

लोगों द्वारा भुजरियों को एक-दूसरे को भेंट किए जाने तथा बुंदेलखंड के वीर योद्धाओं की गाथाओं का स्मरण किया जाता है। उरई और आसपास के कुछ गांवों में इसी लोक परंपरा के तहत रक्षाबंधन परेवा के दिन मनाया जाता है। इसके विपरीत जालौन जिले के माधौगढ़, कुठौंद, रामपुरा, कालपी सहित अन्य क्षेत्रों में रक्षाबंधन पूर्णिमा के दिन ही मनाने की परंपरा है। इस तरह उरई क्षेत्र में रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम और रक्षा के संकल्प का पर्व नहीं, बल्कि स्थानीय लोक स्मृति में वीरता, बलिदान और बुंदेलखंड की गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक भी माना जाता है। सदियों बाद भी राजकुमार अभई के बलिदान और राजकुमारी चंद्रावल के शौर्य की गाथा इस परंपरा के साथ लोगों की स्मृतियों में जीवित है।

रक्षाबंधन पर पत्नी को मायके छोड़ने निकला पति, मिठाई लेने गया तो प्रेमी संग फरार हुई; 19 दिन पहले हुई थी शादी

(यंग भारत न्यूज)

बिहार के मधेपुरा से हैरान करने वाली घटना सामने आई है. रक्षाबंधन पर पत्नी को मायके पहुंचाने निकले एक युवक को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब वह मिठाई लेकर लौटा तो उसकी पत्नी गायब थी.काफी तलाश के बाद भी जब पत्नी का पता नहीं चला तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी. जांच में प्रेम प्रसंग की कहानी सामने आई. पुलिस ने करीब दो घंटे के भीतर युवती को बरामद कर उसके प्रेमी को भी पकड़ लिया. दोनों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस के हवाले कर दिया गया.

मामला मधेपुरा जिले के चौसा थाना क्षेत्र के चौसा बस स्टैंड का है. पुलिस के मुताबिक, भागलपुर जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के चकरामी निवासी पिंटू कुमार की शादी पूर्णिया जिले के बड़हरा कोठी थाना क्षेत्र के सुखसेना निवासी तारावती कुमारी से 7 अगस्त को हुई थी. शादी के करीब 19 दिन बाद रक्षाबंधन के मौके पर पिंटू पत्नी को उसके मायके पहुंचाने के लिए बाइक से निकला था. दोनों जब पूर्णिया-मधेपुरा सीमा के पास चौसा बस स्टैंड पहुंचे तो कुछ देर के लिए रुके. इसी दौरान तारावती ने पति से रक्षाबंधन के लिए मिठाई खरीदने को कहा. पिंटू पत्नी को वहीं छोड़कर पास की दुकान पर मिठाई लेने चला गया. आरोप है कि इसी दौरान तारावती वहां से गायब हो गई पिंटू मिठाई लेकर वापस लौटा तो पत्नी बाइक के पास नहीं थी. उसने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला. इसके बाद उसने ससुराल वालों को जानकारी दी. परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे और खोजबीन शुरू की.काफी तलाश के बाद भी जब तारावती का पता नहीं चला तो रात करीब 12 बजे डायल-112 को सूचना दी गई. पुलिस टीम में शामिल राहुल राज और चालक चंद्रशेखर यादव ने मामले की जांच शुरू की. पुलिस ने परिजनों से जानकारी लेने के साथ मोबाइल टावर लोकेशन और अन्य सुरागों के आधार पर युवती की तलाश शुरू की. जांच के दौरान पुलिस कथित प्रेमी उत्कर्ष कुमार के परबत्ता थाना क्षेत्र के बोरवा स्थित घर पहुंची. पुलिस ने उत्कर्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ की. पूछताछ में उसने कथित तौर पर बताया कि तारावती को उसकी मां के घर राघोपुर बहतरा में रखा गया है. जानकारी मिलने के बाद डायल-112 की दूसरी टीम को इसकी सूचना दी गई. वैशाली चौक की टीम में शामिल नागेश्वर साह और चालक संजय यादव राघोपुर बहतरा पहुंचे. पुलिस के मुताबिक, रात करीब 12 बजे सूचना मिलने के लगभग दो घंटे बाद नवविवाहिता को बरामद कर लिया गया. पुलिस ने कथित प्रेमी उत्कर्ष कुमार को भी पकड़ लिया. बाद में तारावती और उत्कर्ष को जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए परबत्ता थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया.पुलिस और परिजनों के अनुसार, तारावती का शादी से पहले उत्कर्ष कुमार के साथ कथित प्रेम प्रसंग था. परिवार को इसकी जानकारी होने की बात भी सामने आई है.

इसके बाद परिजनों ने उसकी शादी पिंटू कुमार से करा दी थी. आरोप है कि रक्षाबंधन पर मायके जाने की जानकारी तारावती ने पहले ही उत्कर्ष को दे दी थी. चौसा बस स्टैंड पहुंचने के बाद उसने पति को मिठाई लेने भेजा और इसी दौरान कथित प्रेमी की बाइक पर बैठकर वहां से चली गई. शादी के महज 19 दिन बाद सामने आए इस घटनाक्रम ने पूरे इलाके में चर्चा पैदा कर दी. फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ और मामले की आगे की कार्रवाई कर रही है

भाइयों की याद में छलका दर्द, शिवपुरी में रक्षाबंधन पर महिला ने फांसी लगाकर दी जान

(यंग भारत न्यूज)

रक्षाबंधन के त्योहार पर जब लोग अपने भाई-बहनों के साथ खुशियां मना रहे थे, उसी दौरान शिवपुरी में एक महिला ने अपने दिवंगत भाइयों की याद में आत्महत्या कर ली. देहात थाना क्षेत्र की महलसराय बस्ती में 45 वर्षीय राम सनेही आदिवासी ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी. घटना के बाद पूरे मोहल्ले में शोक की लहर है. जानकारी के मुताबिक, राम सनेही का मायका शिवपुरी के पास घाटी गांव में था. उनके दो भाई थे, लेकिन कुछ साल पहले दोनों की असमय मौत हो चुकी थी. रक्षाबंधन के मौके पर आसपास की महिलाएं अपने भाइयों को राखी बांधने और त्योहार की तैयारियों को लेकर बातचीत कर रही थीं. इसी दौरान राम सनेही को अपने दिवंगत भाइयों की याद आ गई. परिजनों के मुताबिक, वह पिछले दो दिनों से भाइयों को याद कर रो रही थीं. गुरुवार को वह काफी परेशान थीं और चुपचाप अपने कमरे में चली गईं.

राम सनेही का जीवन पहले से ही संघर्षों से भरा था. उनके पति फेरन आदिवासी की कई साल पहले मौत हो चुकी थी. पति की मौत के बाद वह अपने दो बेटों के साथ रह रही थीं और मजदूरी के जरिए परिवार का गुजारा चल रहा था. रक्षाबंधन के दिन उनके दोनों बेटे रोज की तरह मजदूरी करने के लिए घर से बाहर गए थे. घर पर राम सनेही अकेली थीं. गुरुवार रात करीब 8 बजे दोनों बेटे काम खत्म कर घर लौटे. उन्होंने मां को आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला. कमरे में जाकर देखा तो राम सनेही फंदे से लटकी मिलीं. मां को इस हालत में देखकर दोनों बेटों की चीख निकल गई. उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को नीचे उतारकर पंचनामा की कार्रवाई की. इसके बाद मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया. शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया. देहात थाना प्रभारी विकास यादव ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला मानसिक तनाव और भावनात्मक स्थिति से जुड़ा हुआ लग रहा है. हालांकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है. उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम कराया जा चुका है और मामले में आगे की जांच जारी है. रक्षाबंधन जैसे त्योहार पर हुई इस घटना से परिवार गहरे सदमे में है. वहीं महिला की मौत की खबर से पूरे महलसराय इलाके में भी शोक का माहौल है.

अब जिम जिहाद..शहजाद पूनावाला का सवाल, 'इमरान' के चक्कर में कितनी हिंदू लड़कियां बलि चढ़ेगी ?

(यंग भारत न्यूज)

दिल्ली की 21 वर्षीय मुस्कान शर्मा हत्याकांड को लेकर बीजेपी के पूर्व प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कई गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर कर पूछा है कि क्या अब लव जिहाद और कॉर्पोरेट जिहाद की तरह जिम जिहाद भी शुरू हो चुका है। उन्होंने पूछा है कि कब तक हिंदू लड़कियों का इसी तरह से कत्ल होता रहेगा ?

शहजाद पूनावाला ने अपना एक इंस्टाग्राम वीडियो एक्स पर शेयर किया है, जिसमें उन्होंने दिल्ली के तिलक नगर में 21 साल की मुस्कान शर्मा की उसके जिम ट्रेनर के हाथों हुए कथित कत्ल की गंभीरता पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है, 'मुस्कान 21 की थी। उसने कहा नहीं। इसकी इमरान द्वारा हत्या कर दी गई। लव जिहाद। ग्रूमिंग जिहाद। कॉर्पोरेट जिहाद। अब क्या यह जिम जिहाद का केस है ?' उन्होंने आरोप लगाते हुए पूछा है कि 'इमरान उसका पीछा कर रहा था। क्या वह ये सब अपने स्तर पर कर रहा था या इसके पीछे कोई बड़ा षड़यंत्र या साजिश थी, यह जांच का विषय है।' उन्होंने देश में इस तरह के कई ऐसे मामलों का उदाहरण देते हुए पूछा है कि 'यह एक पैटर्न क्यों बन गया है ? ये नाम बदलते रहते हैं, शहर बदलते रहते हैं, इसपर हमें बात करनी होगी।'उन्होंने लव जिहाद पर केरल हाई कोर्ट की टिप्पणियों का हवाला भी दिया और यूके में इस तरह की घटनाओं का भी जिक्र किया है। उनका कहना है कि जैसे ही इस तरह का मामला सामने आता है, कुछ लोग इन घटनाओं के असली मकसद के बचाव में खड़े हो जाते हैं। 'ऐसे लोग कहते हैं कि ऐसे मामलों में हिंदू-मुस्लिम मत खोजिए। ये वही लोग हैं, जो बात-बात में जाति का ऐंगल खोज लेते हैं। यही लोग हैं, जो अगर पीड़िता दलित या आदिवासी हो और आरोपी सामान्य वर्ग का हो तो इसे तुरंत कास्ट ऐंगल दे देते हैं।''ये वही लोग हैं, जिन्हें अकलाख,जुनैद, तबरेज में मुस्लिम विक्टिम तो नजर आ जाता है, ...क्योंकि आरोपी हिंदू होता है। लेकिन जैसे ही मामला उलटा होता है और पीड़िता हिंदू होती है और आरोपी मुस्लिम होता है तो वे धार्मिक ऐंगल देखना नहीं चाहते।' 21 साल की मुस्कान शर्मा दिल्ली यूनिवर्सिटी की स्टूडेंट थी और कंटेंट क्रियेट करने के साथ मॉडलिंग भी करती थी। उसकी हत्या के आरोप में दिल्ली पुलिस ने 26 साल के इमरान उर्फ अकीब को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक आरोपी 2021 में एक गैर-इरादतन हत्या के केस में भी शामिल रहा है। इमरान एक जिम ट्रेनर था और आरोप है कि बुधवार को मुस्कान को मारने के बाद भाग गया था। जब पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने चार राउंड फायर भी किए। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में तीन गोलियां लगीं। मुस्कान के पिता नहीं हैं, और पुलिस का कहना है कि आरोपी मुस्कान को 18 महीने से जानता था। वह मुस्कान से उसी जिम में मिला था, जिसमे वह ट्रेनर था। इमरान उसे तंग कर रहा था, इसकी शिकायत मुस्कान 18 जुलाई को पुलिस थाने में कर चुकी थी, लेकिन कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई। पुलिस के मुताबिक लड़की उससे कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती थी, लेकिन इमरान कथित तौर पर उसपर दबाव बना रहा था।

राखी की खुशियों के बीच मचा कोहराम! घर के आंगन में अचानक धंसी जमीन, 18 साल की बेटी की दर्दनाक मौत

(यंग भारत न्यूज)

रक्षाबंधन के दिन जिस घर में राखी और पूजा की तैयारियां चल रही थीं, वहां कुछ ही पलों में खुशियों की जगह चीख-पुकार सुनाई देने लगी। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र के पुरवामीर गांव में 18 वर्षीय यशी सविता घर के आंगन में अचानक जमीन धंसने से करीब 20 से 22 फीट गहरे गड्ढे में गिर गई।कई घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसे बाहर निकाला गया, लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

परिजनों के मुताबिक, रक्षाबंधन के दिन घर में त्योहार की तैयारियां चल रही थीं। यशी पूजा की थाली लेकर अपने माता-पिता को बुलाने के लिए आंगन की ओर निकली थी। इसी दौरान अचानक उसके पैरों के नीचे की मिट्टी धंस गई। परिवार के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले यशी मिट्टी के साथ गहरे गड्ढे में समा गई। घटना के बाद घर में चीख-पुकार मच गई और मदद की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर महाराजपुर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। गड्ढे की गहराई और मिट्टी के लगातार कमजोर होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन बेहद चुनौतीपूर्ण था। बाद में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमों ने सावधानी के साथ बचाव अभियान शुरू किया। मिट्टी दोबारा न धंसे, इसके लिए आसपास की जमीन को ध्यान से हटाया गया। कई घंटे की मशक्कत और करीब 22 फीट तक खुदाई के बाद यशी को बाहर निकाला गया। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, करीब तीन साल पहले घर के आंगन में बोरिंग कराई गई थी, लेकिन वह सफल नहीं हुई थी। बाद में दूसरी जगह बोरिंग कराई गई। परिवार को आशंका है कि पुराने बोरिंग वाले हिस्से से जमीन अंदर ही अंदर कमजोर हो गई थी। हाल में हुई बारिश के कारण मिट्टी और कमजोर पड़ने की संभावना भी जताई जा रही है। हालांकि, जमीन धंसने की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है और इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

यशी की बहन रुचि के मुताबिक, वह पूजा की थाली लेकर मम्मी-पापा को बुलाने निकली थी, तभी अचानक जमीन धंस गई। रक्षाबंधन के दिन हुए इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे परिवार और गांव में मातम पसरा हुआ है।

मियां-बीवी बन गए थे पाकिस्तान के यार, दिल्ली में जासूस साहिल और समीरा गिरफ्तार; क्या-क्या करते थे

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मियां-बीवी को गिरफ्तार कर आईएसआई समर्थित पाकिस्तान आधारित जासूसी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बताया कि मोहम्मद साहिल और उसकी पत्नी समीरा 2024 में सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के संपर्क में आए थे। आरोप है कि इस जोड़े ने दुबई के रास्ते पाकिस्तान को 30000 रुपए में 8 भारतीय सिम कार्ड भेजे और संवेदनशील जानकारी जुटाने में मदद की। साहिल को छावनी इलाकों की रेकी के लिए लोगों को भर्ती करने का काम भी सौंपा गया था। उनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनमें आपत्तिजनक चैट मिली हैं। स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज को दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित नेटवर्क के बारे में जानकारी मिली। इस जानकारी पर आगे काम करने पर पता चला कि इस मॉड्यूल ने लॉजिस्टिक्स सपोर्ट के लिए दिल्ली में कुछ स्थानीय लोगों को भर्ती कर उनके जरिए भारतीय सिम कार्ड हासिल किए थे। इसके अलावा, भारतीय रक्षा से जुड़ी संवेदनशील और गुप्त जानकारी इकट्ठा करने के लिए पाकिस्तान से इन नंबरों पर व्हाट्सएप का इस्तेमाल किया जा रहा था। टीम ने मॉड्यूल के सदस्यों की पहचान की। उसके बाद दिल्ली के सराय काले खां के रहने वाले मोहम्मद असफाक के बेटे साहिल को गिरफ्तार किया गया। उसके मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच में पाकिस्तानी एजेंटों के साथ आपत्तिजनक चैट मिलीं। पूछताछ में पता चला कि 2024 में साहिल अपनी दोस्त समीरा के जरिए इंस्टाग्राम पर एक पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में आया था। बाद में उसने समीरा से शादी कर ली। उस पाकिस्तानी एजेंट ने साहिल और समीरा को एक पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव से मिलवाया। धीरे-धीरे उसने साहिल और समीरा को अपने नेटवर्क के लिए काम करने के लिए तैयार कर लिया और उन्हें इसके बदले पैसे देने का वादा किया। साहिल और समीरा से कहा गया कि वे दिल्ली में पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव नेटवर्क को लॉजिस्टिक्स में मदद करें। साथ ही जासूसी और फील्ड ऑपरेशन के लिए और लोगों को भर्ती करें। 2024 और 2025 में साहिल और समीरा ने दुबई के रास्ते 8 भारतीय सिम कार्ड पाकिस्तान भेजे। इसके लिए पाकिस्तानी हैंडलर्स ने उन्हें 30000 रुपए दिए। इन नंबरों पर पाकिस्तान में वाट्सएप अकाउंट एक्टिवेट किए गए और पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव जानकारी जुटाने के लिए कुछ भारतीय व्हाट्सएप ग्रुप्स में शामिल होने में कामयाब रहे। पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव ने इन वाट्सएप अकाउंट्स का इस्तेमाल संवेदनशील जानकारी इकट्ठा करने के लिए भारतीयों से संपर्क करने में किया। साहिल को भारत में अलग-अलग जगहों पर छावनी इलाकों की रेकी (जासूसी) करने और उन आर्मी जवानों की जानकारी देने का काम भी सौंपा गया था, जिनके कोर्ट मार्शल की कार्यवाही ट्रिब्यूनल में लंबित है। साहिल से पूछताछ के बाद उसकी पत्नी समीरा को गिरफ्तार किया गया। पाकिस्तानी संस्थाओं को सिम कार्ड उपलब्ध कराने में उसकी अहम भूमिका थी। उनके मोबाइल फोन के फोरेंसिक विश्लेषण में साहिल, समीरा और पाकिस्तानी हैंडलर्स के बीच व्हाट्सएप चैट सहित कई आपत्तिजनक बातचीत मिलीं। उनसे पूछताछ से पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव्स के काम करने के तरीके का पता चला और इस मॉड्यूल की संरचना और कामकाज के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

डाक विभाग में निकली 25 हजार से ज्यादा नौकरी, योग्यता, लास्ट डेट्स और आवेदन कैसे करें; यहां जानें

(यंग भारत न्यूज)

दिल्ली: सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए अच्छी खबर है। डाक विभाग में 25 हजार से ज्यादा नौकरियां निकली हैं। इस भर्ती अभियान के तहत अलग-अलग पोस्टल सर्कल में ब्रांच पोस्टमास्टर, असिस्टेंट ब्रांच पोस्टमास्टर और डाक सेवक के पदों को भरा जाएगा। वन-टाइम रजिस्ट्रेशन 31 अगस्त से शुरू होगा और एप्लीकेशन प्रोसेस व फीस पेमेंट की विंडो 2 सितंबर को शाम 5 बजे खुलेगी।

यह भर्ती आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, नॉर्थ ईस्ट, ओडिशा, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल के लिए है। इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की उम्र 18 से 40 साल के बीच होनी चाहिए।

होटल के कमरे में मिली शादीशुदा महिला की लाश, प्रेमी के घर पहुंचते ही सामने आया दूसरा खौफनाक राज! आखिर उस कमरे में हुआ क्या था?

(यंग भारत न्यूज)

हरियाणा के रोहतक से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस से लेकर स्थानीय लोगों तक को हैरान कर दिया है। दिल्ली रोड स्थित एक होटल के कमरे में एक शादीशुदा महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने के बाद सनसनी फैल गई।

मृतका की पहचान रूबी के रूप में हुई है। शुरुआती पुलिस जांच में सामने आया है कि रूबी की हत्या उसके साथ होटल पहुंचे युवक नीरज ने कथित तौर पर की थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की बात भी जांच में सामने आई है।पुलिस के मुताबिक, बुधवार सुबह रूबी और नीरज होटल पहुंचे थे और दोनों ने एक कमरा बुक किया था। कुछ समय बाद कमरे के अंदर दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि कहासुनी बढ़ने के बाद नीरज ने रूबी के दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। वारदात के बाद वह होटल स्टाफ को कुछ देर में वापस आने की बात कहकर वहां से निकल गया। मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया, जब हत्या के आरोपी नीरज के अपने घर पर फांसी लगाने की कोशिश करने की जानकारी सामने आई। परिजनों ने समय रहते उसे देख लिया और तत्काल अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर है। पुलिस अब उसके होश में आने का इंतजार कर रही है, क्योंकि उसके बयान से हत्या के पीछे की वास्तविक वजह का पता चल सकता है। घटना रोहतक के दिल्ली रोड स्थित एक होटल की बताई जा रही है। बुधवार को होटल के एक कमरे में महिला का शव मिलने के बाद होटल में हड़कंप मच गया। सूचना पुलिस तक पहुंची तो टीम मौके पर पहुंची और कमरे की जांच शुरू की गई। मृतका की पहचान रूबी के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि रूबी शादीशुदा थी और उसकी नजदीकियां रोहतक निवासी नीरज से थीं। पुलिस की शुरुआती जांच में दोनों के होटल आने और कमरा लेने की जानकारी सामने आई है। जांच के मुताबिक, होटल के कमरे में कुछ समय बिताने के बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि विवाद किस मुद्दे को लेकर हुआ था। हालांकि, पुलिस का मानना है कि इसी विवाद के दौरान स्थिति अचानक बिगड़ गई और रूबी की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कमरे में दोनों के बीच आखिर किस बात को लेकर बहस हुई थी और

क्या विवाद पहले से चल रहा था। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि रूबी की हत्या कथित तौर पर उसके ही दुपट्टे से गला घोंटकर की गई। घटना के बाद आरोपी नीरज कमरे से बाहर निकला और होटल कर्मचारियों को बताया कि वह थोड़ी देर में वापस आएगा। आरोप है कि होटल स्टाफ को इस बात का अंदाजा नहीं था कि कमरे के अंदर इतनी गंभीर वारदात हो चुकी है। नीरज वहां से निकलने के बाद सीधे अपने घर चला गया। कुछ समय बाद जब रूबी के कमरे से कोई गतिविधि नहीं हुई तो होटल स्टाफ को शक हुआ। कमरे की जांच किए जाने पर महिला का शव मिलने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने होटल पहुंचकर घटनास्थल की जांच की। कमरे से जुड़े साक्ष्यों को सुरक्षित किया गया और होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जांच के दायरे में ली गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि दोनों होटल में किस समय पहुंचे, आरोपी कब बाहर निकला और उसके बाद किस रास्ते से अपने घर गया। रूबी की मौत के मामले में जांच आगे बढ़ ही रही थी कि आरोपी नीरज से जुड़ी एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। बताया गया कि होटल से निकलने के बाद नीरज अपने घर पहुंचा और वहां कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की।परिजनों को इसकी जानकारी समय रहते हो गई। उन्होंने नीरज को गंभीर हालत में देखा और तत्काल अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल वह निजी अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।बताया गया है कि नीरज को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। उसकी मेडिकल स्थिति को देखते हुए पुलिस फिलहाल अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी और रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस के सामने इस समय दो महत्वपूर्ण सवाल हैं। पहला, रूबी की हत्या किस परिस्थिति में हुई और दूसरा, हत्या के बाद नीरज ने खुद की जान लेने की कोशिश क्यों की। क्या उसे अपराध का पछतावा था, क्या वह पुलिस कार्रवाई से डर गया था या फिर इसके पीछे कोई और वजह थी ? इन सवालों के जवाब जांच के आगे बढ़ने पर सामने आएंगे।

रक्षाबंधन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीएम-एसपी ने बस स्टेशन का किया निरीक्षण

पर्व के मद्देनजर उरई बस स्टेशन पहुंचे जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे और पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह

-यात्रियों की सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण को लेकर अधिकारियों ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

-रक्षाबंधन पर बहनों की आवाजाही को देखते हुए पुलिस-प्रशासन अलर्ट, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन), 28 अगस्त। रक्षाबंधन पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह अलर्ट है। शुक्रवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने रक्षाबंधन पर्व के दृष्टिगत कस्बा उरई स्थित बस स्टेशन का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

रक्षाबंधन पर्व पर बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से यात्रा कर बहनों के यहां पहुंचते हैं। इसके चलते बस स्टेशनों और प्रमुख मार्गों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने की संभावना रहती है। इसी को देखते हुए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने बस स्टेशन पहुंचकर व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने यात्रियों की आवाजाही, बसों के संचालन और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पर्व के दौरान बस स्टेशन तथा आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाए। यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने तथा भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

वहीं जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि रक्षाबंधन पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। पुलिस टीमें लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर निगरानी रखेंगी। प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें और पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं।

मकान व नाल के विवाद में महिला को जान से मारने की धमकी, थाना पुलिस से कार्रवाई की गुहार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। मकान व नाल के विवाद को लेकर एक महिला ने पड़ोसियों पर गाली-गलौज करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। डकोर थाना क्षेत्र के ग्राम कुठौदा निवासी श्रीमती रोशनी पत्नी देवीसिंह राजपूत पीड़िता ने को डकोर थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार पीड़िता श्रीमती रोशनी ने बताया कि मकान व नाल को लेकर पड़ोस के रहने गुलाब व रमादेवी से उसका विवाद चल रहा है। इस संबंध में उसने 24 अगस्त 2026 को थाना कोतवाली डकोर में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप है कि शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन विवाद का समाधान नहीं हुआ। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद 24 अगस्त को ही संबंधित लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि आरोपित पक्ष के लोग उसे लगातार परेशान कर रहे हैं और धमकी देते हैं कि मकान नहीं बनाने देंगे तथा उसे वहां रहने भी नहीं देंगे। पीड़िता ने थाना पुलिस से मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कराने तथा अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कराने की गुहार लगाई है। उसने आशंका जताई है कि आरोपित लोग उसके साथ किसी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं।

कालपी-कदौरा मार्ग पर सड़क हादसा, ऑटो सवार कई लोग घायल

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। रक्षाबंधन के दिन शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे कालपी-कदौरा मार्ग पर धमना के पास तेज रफ्तार वेगनआर कार ने आगे जा रहे ऑटो में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ऑटो सवार कई लोग घायल हो गए।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को ऑटो से बाहर निकाला। बाद में एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। दुर्घटना में शामिल वेगनआर कार को भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में खड़ा कराया गया। घायलों में पिपरौआ, हमीरपुर निवासी 21 वर्षीय सुरेंद्र पुत्र कल्लू भी शामिल हैं। वहीं रैला, जालौन निवासी 16 वर्षीय आदित्य रमाकांत अपनी बहन के साथ कानपुर देहात के बाबलापुर से घर लौट रहा था। हादसे में आदित्य भी घायल हुआ है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। जोल्हूपुर निवासी रज्जो पत्नी सुंदरलाल अपनी आठ वर्षीय नातिन वैष्णवी, पुत्री स्व. मुलायम सिंह कुशवाहा, के साथ अपने भाई को राखी बांधने बिवार जा रही थीं। हादसे में रज्जो और वैष्णवी दोनों घायल हो गईं। रज्जो की बहन रजजन पत्नी स्व. लाल सिंह निवासी आटा भी भाई को राखी बांधने बिवार जा रही थीं और वह भी दुर्घटना में घायल हो गईं। इसके अलावा संगीता पत्नी अनिल अपने पति अनिल के साथ दिल्ली से मौदहा जा रही थीं। बताया गया कि बस खराब हो जाने के बाद दोनों ने आगे की यात्रा के लिए इसी ऑटो का सहारा लिया था। हादसे में संगीता और अनिल भी घायल हो गए। अनिल और आदित्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। चिकित्सकों द्वारा दोनों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किए जाने की तैयारी की जा रही है। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

कुएं में गिरने से 47 वर्षीय महिला की मौत, रक्षाबंधन की खुशियां मातम में बदलीं

(यंग भारत न्यूज)

उरई । रक्षाबंधन पर्व पर शुक्रवार को कालपी के ग्राम कीरतपुर में उस समय दर्दनाक हादसा हो गया, जब कुएं से पानी भरने गई 47 वर्षीय महिला का अचानक पैर फिसल गया और वह कुएं में जा गिरी। हादसे में महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कीरतपुर निवासी सावित्री पत्नी राममोहन (करीब 47 वर्ष) शुक्रवार दोपहर लगभग 1:30 बजे घर के कामकाज के लिए कुएं से पानी भरने गई थीं। पानी भरते समय अचानक उनका पैर फिसल गया, जिससे वह संतुलन खो बैठीं और कुएं में जा गिरीं। महिला के कुएं में गिरने की जानकारी आसपास मौजूद लोगों को हुई तो मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों और परिजनों ने महिला को कुएं से बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। काफी प्रयास के बाद सावित्री को कुएं से बाहर निकाला गया। इसके बाद परिजन उन्हें आनन-फानन में उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने महिला की जांच की, लेकिन तब तक उनकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी। जांच के बाद चिकित्सकों ने सावित्री को मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। रक्षाबंधन जैसे पर्व पर हुई इस दुखद घटना ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। हादसे की खबर फैलते ही गांव के लोग भी पीड़ित परिवार को सांत्वना देने उनके घर पहुंचने लगे। घटना को लेकर पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

चिकासी-मुहाना बेतवा पुल पर बड़ा हादसा टला, स्टेयरिंग फेल होने से रेलिंग तोड़ नदी की ओर बढ़ी रोडवेज बस

-स्टेयरिंग फेल होते ही बेकाबू हुई बस, रेलिंग तोड़कर नदी की ओर बढ़ी

-चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा, बेतवा में गिरने से बची बस

-पुल पर मची चीख-पुकार, कुछ मीटर पहले रुकी रोडवेज बस

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। चिकासी मुहाना बेतवा नदी पुल पर शुक्रवार सुबह उस समय यात्रियों की सांसें थम गईं, जब दिल्ली से महोबा जा रही रोडवेज बस का अचानक स्टेयरिंग फेल हो गया। स्टेयरिंग फेल होने के बाद चालक बस पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस पुल की रेलिंग से टकराकर उसे तोड़ते हुए नदी की ओर बढ़ गई। कुछ ही पलों में बस पुल से नीचे जाने की स्थिति में पहुंच गई। हालांकि चालक ने किसी तरह बस को रोक लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और बस में सवार यात्रियों की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार, रोडवेज बस संख्या यूपी 78 जेएन 8754 शुक्रवार सुबह दिल्ली से यात्रियों को लेकर महोबा की ओर जा रही थी। बस अपने निर्धारित मार्ग से गुजरते हुए चिकासी-मुहाना स्थित बेतवा नदी के पुल पर पहुंची थी। इसी दौरान अचानक बस का स्टेयरिंग फेल हो गया। स्टेयरिंग ने काम करना बंद किया तो चालक ने तत्काल बस को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन तेज गति और पुल की स्थिति के कारण बस पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्टेयरिंग फेल होने के बाद बस अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग की तरफ बढ़ने लगी। चालक ने बस को रोकने और दिशा नियंत्रित करने की काफी कोशिश की, लेकिन बस रेलिंग से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुल की रेलिंग टूट गई और बस का अगला हिस्सा नदी की दिशा में पहुंच गया। बस को पुल के किनारे इस तरह देखकर यात्रियों में दहशत फैल गई। किसी को समझ नहीं आ रहा था कि अगले कुछ सेकंड में क्या होने वाला है। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और बस के भीतर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई यात्री अपनी सीटों से उठकर सुरक्षित स्थान की ओर जाने का प्रयास करने लगे। घटना की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बस बेतवा नदी में गिरने की स्थिति तक पहुंच गई थी। अगर चालक समय रहते बस को रोकने में सफल नहीं होता तो बस पुल से नीचे नदी में गिर सकती थी। ऐसी स्थिति में बड़ा जनहानि वाला हादसा हो सकता था। चालक ने किसी तरह बस को नियंत्रित करते हुए रोक दिया। बस रुकने के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद यात्रियों को सुरक्षित तरीके से बस से बाहर निकाला गया। हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। बस के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी आसपास के लोगों को हुई तो बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। पुल पर बस को क्षतिग्रस्त स्थिति में देखकर लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने बस में सवार यात्रियों की मदद की और उन्हें सुरक्षित बाहर निकलने में सहयोग किया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसा बेहद गंभीर हो सकता था। पुल की रेलिंग टूटने के बाद बस नदी की तरफ बढ़ गई थी। गनीमत रही कि बस पूरी तरह पुल से नीचे नहीं गई और समय रहते रुक गई। हादसे के बाद काफी देर तक पुल पर लोगों के बीच घटना को लेकर चर्चा होती रही। बस में सवार यात्रियों के लिए यह घटना किसी डरावने अनुभव से कम नहीं थी। अचानक स्टेयरिंग फेल होने के बाद बस के अनियंत्रित होने से यात्रियों को कुछ समझने का मौका तक नहीं मिला। पुल की रेलिंग टूटने और बस के नदी की ओर जाने के बाद यात्रियों को लगा कि अब बड़ा हादसा होने वाला है।बस रुकने के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। कई यात्रियों ने भगवान का शुक्रिया अदा किया कि बस नदी में नहीं गिरी। हादसे के बाद यात्रियों में परिवहन व्यवस्था और बस की तकनीकी स्थिति को लेकर नाराजगी भी देखने को मिली। इस घटना ने रोडवेज बसों की तकनीकी जांच को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। यात्रियों की सुरक्षा के लिए बसों की नियमित रूप से जांच किया जाना जरूरी है। विशेष रूप से स्टेयरिंग, ब्रेक, टायर और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकी हिस्सों की जांच में किसी तरह की लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। यात्रियों का कहना है कि लंबी दूरी की बसों को सड़क पर उतारने से पहले उनकी तकनीकी स्थिति की अच्छी तरह जांच होनी चाहिए। यदि बस का स्टेयरिंग रास्ते में अचानक फेल हो जाए तो चालक के लिए उसे नियंत्रित करना बेहद मुश्किल हो जाता है। शुक्रवार की घटना में भी यही स्थिति देखने को मिली। पुल पर सुरक्षा को लेकर भी चिंता बेतवा नदी पर बने चिकासी-मुहाना पुल पर हुई इस घटना के बाद पुल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। यात्रियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल की रेलिंग वाहनों को नदी में गिरने से बचाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। यदि रेलिंग मजबूत और पर्याप्त सुरक्षा वाली हो तो दुर्घटना की स्थिति में वाहन को रोकने में मदद मिल सकती है। स्थानीय लोगों ने पुल की रेलिंग की स्थिति की जांच कराने और जहां आवश्यकता हो वहां सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि पुल पर वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है, इसलिए यहां सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। फिलहाल प्रारंभिक तौर पर बस का स्टेयरिंग फेल होना हादसे की वजह बताया जा रहा है। हालांकि स्टेयरिंग किस तकनीकी खराबी के कारण फेल हुआ और बस की फिटनेस की स्थिति क्या थी, इसकी जांच के बाद ही पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। परिवहन विभाग को घटना का संज्ञान लेते हुए बस की तकनीकी स्थिति की जांच करनी चाहिए। साथ ही यह भी देखा जाना जरूरी है कि बस का फिटनेस प्रमाणपत्र और निर्धारित तकनीकी जांच समय पर हुई थी या नहीं। यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जरूरत होगी।चिकासी-मुहाना बेतवा पुल पर शुक्रवार सुबह हुई यह घटना एक बड़े हादसे की चेतावनी भी है। बस पुल की रेलिंग तोड़कर नदी की ओर बढ़ चुकी थी और कुछ ही क्षणों में स्थिति भयावह हो सकती थी। चालक की कोशिश और समय रहते बस रुक जाने से दर्जनों यात्रियों की जान बच गई। फिलहाल सभी यात्रियों के सुरक्षित होने की जानकारी है। घटना के बाद यात्रियों को दूसरे साधन से आगे भेजने की व्यवस्था किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

रक्षाबंधन पर दर्दनाक हादसा: कुएं में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत

कैलिया थाना क्षेत्र के करियावली गांव में पसरा मातम, छोटे भाई को बचाने के प्रयास में बड़े भाई ने भी गंवाई जान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जालौन जिले के कैलिया थाना क्षेत्र के करियावली गांव में दर्दनाक हादसे से खुशियां मातम में बदल गईं। खेत में बने करीब 60 फीट गहरे कुएं में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई।

बताया जाता है कि 55 वर्षीय रामलखन कुशवाहा खेत में बने कुएं से पानी की मोटर निकालने के लिए अंदर उतरे थे। इसी दौरान वह कुएं में डूबने लगे। छोटे भाई को मुसीबत में देख 65 वर्षीय फूल सिंह कुशवाहा उन्हें बचाने के लिए कुएं में कूद गए। पानी अधिक गहरा होने के कारण दोनों भाई कुएं में डूब गए और उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही कैलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड की टीम की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद दोनों भाइयों के शव कुएं से बाहर निकलवाए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रक्षाबंधन के दिन एक साथ दो सगे भाइयों की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पशु डॉक्टर की लापरवाही से हजारों की कीमत की भैंस की हुई मौत

गलत इंजेक्शन लगाने पर भैंस मालिक ने लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। थाना रामपुरा के अंतर्गत ग्राम सिलाउआ बुजुर्ग मैं भैंस की तबीयत खराब हुई भैंस मालिक ने पशु डॉक्टर श्याम बाबू पुत्र रामचंद्र को भैंस को दिखाने के लिए बुलाए तभी डॉक्टर श्याम बाबू ने किसी रोग की दवा के बदले दूसरी रोग की दवा लगा दी जिससे 4 वर्ष कि भैंस 1 घंटे में हुई मौत एक महीने पहले भैस ने पाडिया को भी जन्म दिया था सूत्रों के मुताबिक लगभग 5 लीटर दूध भी देती थी जिससे गरीब किसान सुरेंद्र पाल सिंह यादव अपने घर का गुजर बसर इस भैंस के सहारे चलाते रहते थे सुरेंद्र सिंह यादव का कहना है कुछ दिन पहले इस भैंस की कीमत डेढ़ लाख रुपए लग चुकी थी पर बैची नही थी डॉक्टर की लापरवाही से भैंस की हुई मौत तभी डॉक्टर श्याम बाबू को फोन पर बताया हामारी भैंस मर चुकी है आकर एक बार देख लो आप ने कौन सी दवा लगा दी जिससे भैस कि मौत हो गई डॉक्टर ने जबाब दिया आप लोगो से जो करना हो कर लेना मै नही आऊगा। इसी के चलते डायल 112 व थाना रामपुरा को सूचना दी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस जुटी जांच पड़ताल मे भैस को काब्जे मेलेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा मौके पर ग्रामीण परिजन मौजूद रहे।

जेल में हर्षोल्लास से मना रक्षाबंधन, 229 बंदियों से मिलने पहुंचीं 348 बहनें

-बारिश के बीच वाटरप्रूफ टेंट में हुई मुलाकात, 130 बच्चों ने भी बांधा प्यार का धागा

-ब्रह्माकुमारी बहनों ने निराश्रित बंदियों की कलाई पर बांधी राखी, भावुक हुए भाई-बहन

-सुबह 9 से शाम 5 बजे तक चली मुलाकात, पैक्ड मिठाई और सोनपापड़ी की रही अनुमति

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन), 28 अगस्त। शुक्रवार को जिला कारागार उरई में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और भावुक माहौल के बीच मनाया गया। जेल की ऊंची दीवारों और सलाखों के पीछे भी भाई-बहन के अटूट प्रेम की झलक देखने को मिली। इस अवसर पर 229 पुरुष बंदियों से राखी बांधने के लिए 348 बहनें 130 बच्चों के साथ जिला कारागार पहुंचीं। सुबह करीब नौ बजे से ही जेल के मुख्य द्वार पर बहनों की लंबी कतार लग गई। हाथों में राखी, तिलक और मिठाई की थाली लिए बहनें अपने भाइयों से मिलने के लिए आतुर नजर आईं।

बारिश के मौसम को देखते हुए जेल प्रशासन ने कारागार के अंदर और बाहर वाटरप्रूफ टेंट की व्यवस्था की थी। इसके अलावा बैठने, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाओं का भी इंतजाम किया गया, जिससे दूर-दराज से आई बहनों और बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जेल अधीक्षक प्रशांत मौर्य ने बताया कि शासन के निर्देशों के तहत रक्षाबंधन पर पुरुष बंदियों से केवल उनकी बहनों और बच्चों की मुलाकात कराई गई। पुरुषों की मुलाकात पर रोक रही। वर्तमान में जिला कारागार में करीब 650 बंदी निरुद्ध हैं, जिनमें 28 महिला बंदी भी शामिल हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह के सहयोग से जेल परिसर और आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया। महिला पुलिसकर्मियों की भी विशेष तैनाती रही। मुख्य द्वार पर आने-जाने वालों की सघन चेकिंग की गई, ताकि किसी भी प्रतिबंधित वस्तु को जेल के अंदर जाने से रोका जा सके। बहनों की सुविधा को देखते हुए इस बार मुलाकात का समय भी बढ़ाया गया। सामान्य दिनों में जहां मुलाकात शाम चार बजे तक होती है, वहीं रक्षाबंधन पर सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक बंदियों की बहनों और बच्चों को मुलाकात की अनुमति दी गई। जेल प्रशासन की ओर से उन बहनों के लिए राखी, रोली, चंदन, टीका, दीपक और मिठाई की निःशुल्क व्यवस्था भी की गई, जो किसी कारण से ये सामग्री साथ नहीं ला सकीं। सुरक्षा कारणों से खुली मिठाई लाने पर प्रतिबंध रहा और केवल पैक्ड मिठाई तथा सोनपापड़ी लाने की अनुमति दी गई।

निराश्रित बंदियों की कलाई पर भी सजा प्रेम का धागा

रक्षाबंधन पर जिला कारागार में एक भावुक पहल भी देखने को मिली। ऐसे बंदी, जिनसे लंबे समय से कोई मिलने नहीं आता और जो निराश्रित हैं, उनके लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने सामूहिक राखी बंधन कार्यक्रम आयोजित किया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने निराश्रित बंदियों की कलाई पर राखी बांधकर उनके उज्ज्वल भविष्य और सुखद जीवन की कामना की। राखी बांधते समय कई बहनों की आंखें नम हो गईं। भाइयों ने भी अपनी बहनों से भावनात्मक संवाद करते हुए उनकी रक्षा और सम्मान का वचन दिया। कुछ बंदियों ने जल्द ही जेल से बाहर आने के बाद अपने परिवार की जिम्मेदारियां पूरी करने की बात कही। इस दौरान पूरे कारागार परिसर में भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और भावनाओं का माहौल दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान जेल अधीक्षक प्रशांत मौर्य, कारापाल प्रदीप कुमार, चिकित्साधिकारी डॉ. राहुल वर्मन, उप कारापाल अमर सिंह, उप कारापाल सुखवती देवी, वरिष्ठ लिपिक रविशंकर यादव सहित समस्त जेल स्टाफ मौजूद रहा। जेल प्रशासन की व्यवस्थाओं और सुरक्षा इंतजामों के बीच रक्षाबंधन का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

16 क्वार्टर अवैध शराब लेकर घूम रहे युवक को पुलिस ने दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। पुलिस उपाधीक्षक राजेश कमल के निर्देश पर इलाकाई पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को 16 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही कर चालान कर दिया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक 27 अगस्त 2026 की शाम करीब 6 बजे थाना आटा के उपनिरीक्षक सुरेश कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति कपड़े के थैले में काफी मात्रा में देशी शराब लेकर भदरेखी नहर पुलिया के पास खड़ा है।सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची।तो पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। आरोपी अभिमन्यु निवासी ग्राम भदरेखी थाना आटा को पकड़ लिया। पुलिस टीम द्वारा तलाशी लेने पर आरोपी के पास मौजूद कपड़े के थैले से 16 अदद क्वार्टर देशी शराब ठेका बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर थाना आटा लाकर उसके खिलाफ धारा 60 आबकारी अधिनियम का मुकदमा दर्ज करके चालान कर दिया।

ग्राम सलैया बुजुर्ग में पहुज नदी में नहाने गया युवक लापता

गोताखोरो की मदद से युवक की तलाश शुरू,24 घंटे से अधिक के बावजूद नही चला युवक का पता

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सर्किल के कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम सलैया बुजुर्ग में गुरुवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब गांव के नजदीक से निकली पहूंज नदी में नहाने गया 28 वर्षीय एक युवक गहरे पानी में डूब गया। सूचना मिलते ही थाना कैलिया पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू की गई, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद शुक्रवार की शाम तक यानी 24 घंटे बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पटेल सहित कानपुर से आई एनडीआरफ टीम और गोताखोर नदी में स्टीमर की मदद से युवक की तलाश में जुटे हुए हैं।जानकारी के मुताबिक, ग्राम सलैया बुजुर्ग निवासी हरीशंकर कौरव उर्फ हरी उम्र 28 वर्ष पुत्र पहलवान सिंह गुरुवार की शाम करीब 6 बजे पहूंज नदी के पुल के पास पहुंचा और नदी में नहाने के लिए अपने कपड़े उतारकर वहां लगे एक पेड़ पर रख दिये जिसके बाद वह बनियान व हाफ पेंट में नदी में उतर गया। मौके पर मौजूद गांव की ही कविता ढीमर और राघवेंद्र कौरव ने पुलिस को दी सूचना में बताया कि उन्होंने हरीशंकर को नदी में उतरने से रोकने के लिए शोर मचाया लेकिन वह नहीं माना और गुस्सा करता हुआ वह नदी के अंदर चला गया।थोडी देर के बाद वह पानी में डूब गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अवनीश पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गांव के गोताखोर धरमसिंह ढीमर, लाखन, रामकिशोर, राघवेंद्र आदि को नदी में उतारकर हरीशंकर की तलाश शुरू कराई। काफी देर तक नदी में खोजबीन की गई लेकिन हरिशंकर का पता नहीं चल सका। शुक्रवार की सुबह से ही थानाध्यक्ष सहित कानपुर से आई एनडीआरफ टीम और गोताखोर नदी में स्टीमर की मदद से युवक की तलाश में जुटे हुए हैं लेकिन फिलहाल उसका पता नहीं चल सका है। थानाध्यक्ष ने बताया कि नदी में बारिश के समय पानी का बहाव और जलस्तर काफी बढ़ा हुआ है, जिसके चलते उसकी तलाश में परेशानी आ रही है। बताया जा रहा है कि अविवाहित हरीशंकर घर में अकेला रहता था और शराब पीने का आधी था।

श्रावणी उपाकर्म महोत्सव में पूरे विधि-विधान से हुआ यज्ञोपवीत संस्कार

(यंग भारत न्यूज)

कोंच श्रावण मास की पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शुक्रवार सुबह को नगर के रामकुंड स्थित शिव शक्ति पावन धाम में श्रावणी उपाकर्म महोत्सव का आयोजन पारंपरिक वैदिक रीति-रिवाज और धार्मिक उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में नगर के विद्वान ब्राह्मणों एवं वैदिक परंपरा में आस्था रखने वाले लोगों ने विधि-विधान से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए।

कार्यक्रम के दौरान रामकुंड परिसर में श्रद्धालु एकत्रित हुए, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हेमाद्रि स्नान एवं आत्मशुद्धि की परंपरा निभाई गई। इस दौरान गोमूत्र, गोबर, गोदुग्ध, दही और घृत से निर्मित पंचगव्य तथा कुशा के माध्यम से पारंपरिक दस विधियों से स्नान किया गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार हेमाद्रि स्नान आत्मशुद्धि और पूर्व में हुए कर्मों के प्रायश्चित का प्रतीक माना जाता है।इसके बाद वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच पुराने यज्ञोपवीत का विधिपूर्वक त्याग किया गया। आचार्यों द्वारा अभिमंत्रित किए गए नए यज्ञोपवीत धारण कराए गए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सद्कर्म, धार्मिक आचरण और वैदिक परंपराओं के पालन का संकल्प लिया।आयोजकों ने बताया कि श्रावणी उपाकर्म सनातन वैदिक परंपरा का महत्वपूर्ण संस्कार है जिसमें आत्मशुद्धि, प्रायश्चित और नए संकल्प के माध्यम से व्यक्ति को अपने आचरण को बेहतर बनाने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार से आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित रमेशचंद्र पटैरिया ने की। इस अवसर पर बृज मोहन तिवारी खैरी, राम सिया आचार्य, राघवराम मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र तिवारी, राघवेंद्र तिवारी, राजेश दीक्षित, नरेश पुरोहित, जितेंद्र द्विवेदी, प्रियाशरण नगाइच, रुचिर रस्तोगी, श्रीनारायण दीक्षित, राजेंद्र बबेले, शिव, नरेश त्रिपाठी,अखिलेश बबेले, केशव बबेले सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। आयोजन श्रद्धा और धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

अंश संशोधन और वारिसों के नाम दर्ज कर तहसीलदार ने किसानों को दी खतौनी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। स्थानीय तहसील क्षेत्र के ग्राम चंदरसी निवासी राम करन रमन आदि किसानों के प्रार्थना पत्रों पर तहसीलदार कालपी श्रीष कुमार मिश्रा ने राजस्व कर्मचारियों की जांच आख्या के आधार पर भूमि के अंश में संशोधन कर मृतक के वारिसों के नाम खतौनी में दर्ज कराए। इसके बाद संबंधित कृषक को संशोधित खतौनी उपलब्ध कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदकों ने बताया कि पूर्व में पारित आदेश के अनुपालन में मृतक बद्दू पुत्र भूरा के स्थान पर उसके वारिसों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किए जाने थे। संबंधित भूमि में चच्चोटा पुत्र बद्दू, राम करन रमन पुत्र बद्दू तथा राम दास पुत्र बद्दू का एक-एक तिहाई हिस्सा निर्धारित है। इस संबंध में राम करन रमन ने 27 अगस्त 2026 को तहसीलदार कालपी को प्रार्थना पत्र देकर पूर्व आदेश के आधार पर खतौनी में आवश्यक अंश संशोधन कर वारिसों के नाम दर्ज कराने का अनुरोध किया था। तहसीलदार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राजस्व निरीक्षक व लेखपाल से तत्काल जांच आख्या प्राप्त कराई। जांच के आधार पर अभिलेखों में आवश्यक संशोधन कर आवेदक को खतौनी प्रदान की गई। तहसीलदार द्वारा इस कार्यवाही से संबन्धित कृषकों को राजस्व अभिलेखों में सही अंश व वारिसों के नाम दर्ज होने से राहत मिली है।

रक्षाबंधन पर तलैया हनुमान मंदिर में दंगल व कजरी मेले की धूम

(यंग भारत न्यूज)

कोटरा/उरई । कोटरा में रक्षाबंधन का पर्व कस्बे में हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। घर-घर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर तलैया वाले हनुमान जी मंदिर परिसर में दंगल एवं कजरी मेले का भव्य आयोजन किया गया।

दंगल में क्षेत्र सहित दूर-दराज से आए पहलवानों ने अपनी कुश्ती कला का शानदार प्रदर्शन किया। रामू पहलवान सिकरी व्यास, कल्लू पहलवान कानपुर, चांद बाबू पहलवान उरई, मोही पहलवान, राजा पहलवान बघौरा, मलखान सिंह, रामनरेश और योगेंद्र कुमार सहित अन्य पहलवानों ने अपनी-अपनी कुश्तियां जीतीं। अखाड़े में दो दर्जन से अधिक पहलवानों ने जोरदार दांव-पेच दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। दंगल के समापन पर तलैया हनुमान जी मंदिर के महंत सीताराम अधिकारी ने विजेता पहलवानों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। निर्णायक की भूमिका लक्ष्मण कोष्ठा एवं शब्बीर पहलवान ने निभाई। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष सिया शरण व्यास, रामकुमार अग्रवाल, मूलचंद बुधौलिया, नारायण लाल सोनी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं कजरी मेले में महिलाओं ने परंपरागत रूप से तलैया हनुमान जी के तालाब में कजरियों का विसर्जन किया। लोगों ने एक-दूसरे को कजरिया भेंट कर गले मिलते हुए रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। मेले में बच्चों, महिलाओं और ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी रही, जिससे पूरे परिसर में उत्सव का माहौल बना रहा। मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी विमलेश कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुलिस की मौजूदगी में मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

बहिनो ने भाईयो की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र, राखी बांधकर भाईयो की लंबी उम्र की कामना की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नजर व क्षेत्र में शुक्रवार को भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने शुभ मुहूर्त में अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर पवित्र बंधन को निभाया और उनके सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। राखी, मिठाई और उपहारों की दुकानों पर लोगों की भीड़ नजर आई। रंग-बिरंगी राखियों से सजे बाजार पर्व की रौनक बढ़ाते रहे। बहनों ने अपनी पसंद की राखियां खरीदीं और भाइयों की कलाई पर सजाईं।बाजार में बच्चो के लिए कार्टून की राखिये की जमकर बिक्री हुई।राखी बांधने के दौरान बहनों ने भाइयों का तिलक कर आरती उतारी और मिठाई खिलाकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। इसके बाद भाइयों ने भी अपनी बहनों को सामर्थ के अनुसार उपहार भेंट किए और जीवनभर उनकी रक्षा करने का वचन दिया। कई परिवारों में दूर रह रहे भाई-बहन भी पर्व मनाने के लिए एक-दूसरे के घर पहुंचे। इस दौरान घर-घर में हंसी-खुशी का माहौल रहा। रक्षाबंधन ने भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और स्नेह के रिश्ते को और मजबूत किया।नगर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों ने परंपरागत तरीके से पर्व मनाकर खुशियां साझा कीं।

रक्षाबंधन बना भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक, यूसुफ अंसारी ने अस्पताल में बंधवाई राखी

(यंग भारत न्यूज)

- **समाजसेवी यूसुफ अंसारी ने जिला अस्पताल पहुंचकर ड्यूटी पर तैनात तीन हिंदू बहनों से बंधवाई राखी**
- **मुंहबोली बहनों ने भाई की लंबी उम्र की कामना की, यूसुफ ने जीवनभर रक्षा का दिया वचन**

उरई (जालौन)। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और अटूट रिश्ते का प्रतीक है। यह पर्व जाति और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश देता है। इसी सामाजिक सौहार्द की मिसाल उस समय देखने को मिली, जब समाजसेवी यूसुफ अंसारी ने जिला अस्पताल पहुंचकर ड्यूटी पर तैनात अपनी तीन मुंहबोली हिंदू बहनों से राखी बंधवाई।

रक्षाबंधन के अवसर पर यूसुफ अंसारी अपने सहयोगियों यामीन अंसारी, सिराज बाबा, अफसर, चुन्ना हुसैन रिजवी, बली मोहम्मद और सीनियर वार्ड ब्वॉय परवेज खान के साथ जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले अपनी मुंहबोली बहन डा. गीतेश शास्त्री से राखी बंधवाई। बताया गया कि यूसुफ अंसारी पिछले करीब 15 वर्षों से रक्षाबंधन के पर्व पर डा. गीतेश शास्त्री से राखी बंधवाते आ रहे हैं और भाई होने का फर्ज निभाते हुए हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का संकल्प दोहराते हैं। इसके बाद उन्होंने जिला अस्पताल की नर्सिंग अधीक्षिका मिथलेश वर्मा तथा इमरजेंसी वार्ड इंचार्ज प्रतीक्षा शर्मा से भी राखी बंधवाई। तीनों बहनों ने भाई यूसुफ अंसारी की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना की। वहीं यूसुफ अंसारी ने भी अपनी बहनों को हर परिस्थिति में उनकी रक्षा और सम्मान के लिए सदैव साथ खड़े रहने का वचन दिया। राखी बांधने के बाद भाई-बहनों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और हर वर्ष इसी तरह रक्षाबंधन का पर्व साथ मनाने की कामना की। इस दौरान अस्पताल परिसर में भाई-बहन के स्नेह के साथ-साथ हिंदू-मुस्लिम एकता और सामाजिक सौहार्द की खूबसूरत मिसाल भी देखने को मिली। समाजसेवी यूसुफ अंसारी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान और रिश्तों को मजबूत करने का अवसर है। भाई-बहन का रिश्ता मजहब की दीवारों से नहीं, बल्कि प्रेम और विश्वास से बनता है। जिला अस्पताल में मनाया गया यह रक्षाबंधन इसी संदेश को समाज तक पहुंचाने का काम करता है।

प्रवर्तन दल ने दर्जन भर गाड़ियां पकड़कर लाखों रुपये राजस्व वसूला

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन। कृषि उत्पादन मंडी समिति कालपी के सचिव/ प्रवर्तन दल प्रभारी सतीश चन्द्र की अगुवाई में प्रवर्तन दल ने मनोज कुमार,शिवा आदि कर्मचारियों ने विभिन्न मार्गों पर सघन जांच अभियान चलाकर मंडी शुल्क चोरी के मामलों में दर्जन भर मालवाहक वाहनों को पकड़ा गया है। कार्यवाही के दौरान संबन्धित व्यापारियों एवं वाहन संचालकों से मंडी शुल्क तथा अन्य देय मदों में पांच लाख रुपये से अधिक की वसूली की गई। मंडी सचिव ने बताया कि मई 2026 के महीने में 13 मालवाहक गाड़ियों को पकड़ कर 2 लाख 26 हजार 6 सौ रुपए तथा माह जून 2026 में 12 गाड़ियों को पकड़ कर 2 लाख 75 हजार रुपए की राजस्व वसूली की गई है। जुलाई -26 माह में प्रवर्तन दल ने 4 गाड़ियां पकड़कर एक लाख 35 हज़ार रुपए तथा चालू माह अगस्त में एक लाख रुपये समन शुल्क वसूल किया गया। मंडी सचिव सतीश चंद्र ने बताया कि शासन तथा सम्भागीय कृषि उप निदेशक संजय कुमार सिंह के निर्देशानुसार मंडी शुल्क की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कृषि उपज का परिवहन करने वाले व्यापारी निर्धारित नियमों का पालन करें तथा आवश्यक अभिलेख साथ रखें। मंडी समिति का उद्देश्य राजस्व वृद्धि करना है।

रामलीला महोत्सव का किया गया मुहूर्त शोधन

-रामजन्म का अनुष्ठान हवन पूजन और सजीव श्रीविग्रहों का प्राकट्य 5 अक्टूबर को

-हनुमान पताका 8 तथा स्टेट पूजन 10 सितम्बर को

(यंग भारत न्यूज)

कोंच धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित कोंच की विश्व विख्यात अनुष्ठानी एवं ऐतिहासिक रामलीला के 174 वें महोत्सव को लेकर औपचारिक रूप से तैयारियां शुरू हो गई हैं। नगर के विद्वान और रामलीला रंगमंच के आचार्य पं. रमेशचंद्र पटेरिया ने शुक्रवार को पूरे विधि विधान से होने वाले रामलीला के कार्यक्रमों का मुहूर्त शोधन किया। उन्होंने रामलीला समिति के अध्यक्ष राजीव पटेल बॉबी एवं संजय सोनी को शोधित मुहूर्त की पत्रिका सौंपते हुए बताया कि रामजन्म का अनुष्ठान हवन पूजन और सजीव श्रीविग्रहों का प्राकट्य 5 अक्टूबर को दोपहर ठीक 12 बजे पुष्य नक्षत्र में रामलीला भवन पर होगा। शोधित मुहूर्त के अनुसार 8 सितंबर मंगलवार को झंडा मुहूर्त होगा, उस दिन धनुताल स्थित श्री लंका विजय हनुमान मंदिर से हनुमान पताका लाकर रामलीला भवन पर स्थापित की जाएगी।वही 10 सितंबर गुरुवार को स्टेज पूजन का मुहूर्त पूर्वाह्न 10 बजे के बाद है। इसके अलावा 17 सितंबर को भगवान के वस्त्रों का क्रय व नापजोख की जाएगी। इस मौके पर रामलीला समिति के अध्यक्ष राजीव पटेल, पुरुषोत्तमदास रिछारिया, साकेत पटेरिया, संजय सोनी, केशव बबेले, सुधीर सोनी आदि मौजूद रहे।

क्या बड़े हादसे का इंतिजार कर रहा है विद्युत विभाग?

जमीन छूने को बेताब विद्युत तार कभी भी बन सकते बड़े हादसे का कारण

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। बिजली के तार नीचे होने से हादसे का डर बना रहता है। मोहल्ले के लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से तार ऊंचा कराने की मांग की है।

नगर क्षेत्र के मोहल्ला भवानीराम निवासी मुंटू, अवधेश पाल, अंगूरी देवी, गुड्डी, केश कुमारी, राजेश, मुस्कान, रश्मि आदि ने बताया कि उदोतपुरा बिजलीघर से जालौन की ओर आने वाली लाइन बिजलीघर के पीछे काफी नीची हो गई है। इस जगह पर बिजली का पोल झुक गया है, जिससे यह स्थिति पैदा हुई है। बिजली के तार नीचे होने की वजह से लगातार खतरा बना रहता है। उन्होंने झुके हुए बिजली के पोल को सीधा किए जाने और नीचे लटकी लाइन को ऊंचा कराने की मांग की है। उधर, मोहल्ला हिरदेशाह निवासी शाहिद ने बताया किबिजली की हाईटेंशन लाइन उसके घर के ऊपर से निकती है। हाईटेंशल खुली हुई है, उसके नीचे सुरक्षा जाली भी नहीं लगी है। जिसके चलते लगातार खतरा बना रहता है। उन्होंने बिजली की हाईटेंशन लाइन के तारों को छत से हटाकर किसी अन्यत्र स्थान से ले जाने कीमांग बिजली विभाग के अधिकारियों से की है।

क्षतिग्रस्त मकानों के सर्वे और मुआवजे को लेकर एमएलसी रमा निरंजन दिए निर्देश

ललितपुर। लगातार बारिश के चलते गांवों में क्षतिग्रस्त हुए मकानों के सर्वे और प्रभावित परिवारों को सहायता दिलाने को लेकर उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन ने पहल की है। उन्होंने झांसी-जालौन-ललितपुर क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधानों को पत्र जारी कर क्षतिग्रस्त मकानों की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने की अपील की है। एमएलसी रमा निरंजन ने अपने पत्र में प्रधानों से कहा है कि उनके गांव में जिन मकानों को बारिश अथवा अन्य कारणों से क्षति पहुंची है, उनकी जानकारी तत्काल संबंधित लेखपाल और कानूनगो को दी जाए, ताकि प्रभावित मकानों का सर्वे कराकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई एवं सहायता की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा कि यदि स्थानीय स्तर पर सूचना देने के बावजूद समय से कोई कार्रवाई नहीं होती है तो प्रधान अथवा ग्रामीण सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें ग्राम का नाम, तहसील, ब्लॉक तथा अपना मोबाइल नंबर उपलब्ध कराना होगा। एमएलसी रमा निरंजन ने आश्वासन दिया कि प्राप्त जानकारी के आधार पर वह संबंधित जिलाधिकारी से स्वयं वार्ता करेंगी और क्षतिग्रस्त मकानों के सर्वे तथा पात्र प्रभावित परिवारों को नियमानुसार सहायता दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगी। उन्होंने प्रधानों और ग्रामीणों से अपील की है कि बारिश से हुए नुकसान की सूचना देने में लापरवाही न बरतें और प्रभावित मकानों की जानकारी समय से प्रशासन तक पहुंचाएं, जिससे जरूरतमंद परिवारों को राहत उपलब्ध कराने की कार्रवाई समयबद्ध तरीके से हो सके। एमएलसी द्वारा यह पत्र 26 अगस्त 2026 को जारी किया गया है।

भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । सावन माह की पूर्णिमा पर भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। शुक्रवार को शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों की कलाई पर प्रेम और विश्वास से सजी राखी बांधी और उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें आकर्षक उपहार भेंट किए। सुबह से ही घर-घर में पर्व की खुशियां नजर आईं और बहनों के आने से परिवारों में उत्साह का माहौल बना रहा। दो दिन तक चलने वाले रक्षाबंधन के पर्व के पहले दिन सुबह से ही बहनें तैयारी में जुट गई थीं। पूजा की थाली में हल्दी, रोली और अक्षत सजाए गए। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक कर आरती उतारी और दाहिने हाथ की कलाई पर राखी बांधी। राखी बांधने के बाद भाइयों ने बहनों का मुंह मीठा कराया और उन्हें नकदी के साथ फैशनेबल पर्स, मोबाइल फोन, ब्रांडेड चॉकलेट, घड़ी समेत उनकी पसंद के उपहार दिए। कई भाइयों ने बहनों की पसंद का गिफ्ट पहले से ऑनलाइन मंगवाकर रखा था। उपहार पाकर बहनों के चेहरे पर खुशी देखते ही बनी। शाम के समय पर्व को लेकर परिवारों में मिलने-जुलने का सिलसिला चलता रहा। कोतवाली परिसर में भी रक्षाबंधन का पर्व भावुक माहौल में मनाया गया। महिला सिपाहियों ने कोतवाल हरिशंकर चंद समेत पुलिस स्टाफ के सदस्यों को राखी बांधी। इस दौरान भाई-बहन के रिश्ते की आत्मीयता और अपनापन पुलिसकर्मियों के बीच भी दिखाई दिया। रक्षाबंधन को लेकर नगर में सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही। सीओ अजय कुमार सिंह, कोतवाल हरिशंकर चंद, अतिरिक्त निरीक्षक विवेक मौर्य, लालबाबू मिश्रा, एसएसआई संजय यति और चौकी प्रभारी मनीष तिवारी पुलिस बल के साथ नगर में लगातार गश्त करते रहे। पुलिस की सक्रियता के चलते पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

मौगान गांव हुआ विवाद, क्रॉस एफआईआर दर्ज

ललितपुर। बानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मौगान में तेरहवीं (तेरई) के भोज के बाद पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों से मारपीट शुरू हो गई। घटना के बाद दोनों पक्षों ने थाने पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एक पक्ष से ग्राम मौगान निवासी करीब 60 वर्षीय वीरन पुत्र झल्ला अहिरवार का आरोप है कि 26 अगस्त की रात करीब नौ बजे चाचा देशराज अहिरवार की तेरई के दौरान रूप सिंह, राजेन्द्र, अमर पुत्रगण ग्यासी तथा माखन लाल पुत्र बुद्दा अहिरवार वहां पहुंचे और पुरानी बातों को लेकर वीरन, उसकी पत्नी कुसुम, भारती पत्नी मनीराम तथा मनीराम को गालियां देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसों और लाठी-डंडों से मारपीट की। वहीं दूसरे पक्ष से ग्राम मौगान निवासी करीब 55 वर्षीय ग्यासी पुत्र झल्ला अहिरवार का आरोप है कि वीरन, सिवराज, मनीराम पुत्रगण वीरन अहिरवार तथा लखन पुत्र भगुन्ता अहिरवार ने मकान के पास उन्हें देखकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसों और लाठी-डंडों से मारपीट की। शोर सुनकर मख्खन निवासी खिरकापुरा और अजीत निवासी जबरातल, तालबेहट मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कराया। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धाराओं 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमे दर्ज किए हैं।

ग्राम गढ़गुवां में श्मशान घाट की सुविधा न होने से ग्रामीणों को अंतिम संस्कार में भारी परेशानी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। तहसील क्षेत्र के ग्राम गढ़गुवां में श्मशान घाट की सुविधा न होने से ग्रामीणों को अपने परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार शाम गांव निवासी 46 वर्षीय चेतराम के निधन के बाद अंतिम संस्कार के लिए कोई उचित स्थान नहीं मिला। बारिश के कारण खेतों में पानी भरा होने से परिजनों को मजबूरी में गांव में स्थित आरआरसी सेंटर में अंतिम संस्कार करना पड़ा। घटना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी है और उन्होंने गांव में जल्द श्मशान घाट बनवाने की मांग की है।

ग्रामीण लालजी शर्मा, तारबाबू पटेल, रामजीवन पटेल, वीरेंद्र सिंह, विशंभर सिंह सेंगर आदि ने बताया कि गांव में श्मशान घाट की व्यवस्था नहीं है। सामान्य दिनों में भी अंतिम संस्कार के लिए ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ती है, लेकिन इन दिनों लगातार बारिश होने से समस्या और गंभीर हो गई है। खेतों में पानी भरा होने के कारण वहां अंतिम संस्कार करना संभव नहीं था। ऐसे में गुरुवार शाम चेतराम के निधन के बाद परिजन और ग्रामीण उनके शव को गांव में स्थित आरआरसी सेंटर ले गए, जहां अंतिम संस्कार किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद परिवार पहले ही दुख में होता है। ऐसे समय में अंतिम संस्कार के लिए उचित स्थान की व्यवस्था न होना उनकी परेशानी को और बढ़ा देता है। बारिश के दिनों में समस्या विशेष रूप से गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में श्मशान घाट के लिए स्थान निर्धारित कर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। कहा कि श्मशान घाट बनने से ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के समय होने वाली परेशानियों से स्थायी रूप से राहत मिल सकेगी।

मड़ावरा में रक्षाबंधन पर दिखा भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पावन संगम

मड़ावरा। रक्षा-बंधन के पावन पर्व पर पूरे मड़ावरा कस्बे में हर्षोल्लास और भाई-बहन के स्नेह की अनूठी छटा देखने को मिली। त्योहार को लेकर सुबह से ही बाजारों में चहल-पहल और घरों में उत्सव जैसा माहौल रहा। इसी कड़ी में एक भावुक कर देने वाला दृश्य सामने आया, जहां बहन रवि राजा ने अपने दोनों भाइयों गौरव प्रताप सिंह और यश प्रताप सिंह की कलाई पर प्रेम और विश्वास के प्रतीक रक्षा-सूत्र को बांधा। पारंपरिक विधि-विधान के साथ बहन ने भाइयों के माथे पर रोली-अक्षत का तिलक लगाया, घी के दीपक से आरती उतारी और मिठाई खिलाकर उनके उज्वल भविष्य, लंबी उम्र और तरक्की की कामना की। इस दौरान आंखों में स्नेह और चेहरे पर मुस्कान साफ झलक रही थी। राखी बंधवाने के बाद दोनों भाइयों ने बहन को अजीवन रक्षा का वचन दिया। उन्होंने कहा कि यह धागा सिर्फ कलाई पर नहीं, बल्कि हृदय में बंधा है जो हर सुख-दुख में साथ निभाने की जिम्मेदारी का एहसास दिलाता रहेगा। भाइयों ने बहन को शगुन के तौर पर उपहार देकर उसके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पूरा परिवार मौजूद रहा और पूरे घर में खुशी का माहौल छाया रहा। मोहल्ले के लोगों ने भी इस पवित्र बंधन की सराहना की।

कच्चा रास्ता बारिश के मौसम में ग्रामीणों के लिए मुसीबत बना

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। विकासखंड के ग्राम गायर में आंगनबाड़ी केंद्र से जूनियर स्कूल तक जाने वाला कच्चा रास्ता बारिश के मौसम में ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गया है। बारिश होते ही रास्ते पर कीचड़ और जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है, जिससे ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों को भी आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीण कैलाश याज्ञिक, धनीराम वर्मा, चुन्ना, रामनरेश, महेश, आमिर, भूरे, सोहन, हिमांशु आदि का कहना है कि इस रास्ते से प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे और ग्रामीण आवागमन करते हैं। बरसात में रास्ते पर फिसलन होने के कारण बच्चों के गिरने का खतरा बना रहता है। किसी ग्रामीण के बीमार होने पर एंबुलेंस को घर तक पहुंचने में भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसी मार्ग पर आरआरसी सेंटर और सामुदायिक शौचालय भी स्थित हैं। इसके बावजूद रास्ते की बदहाली की ओर जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, कई बार अधिकारियों द्वारा सड़क की नाप-जोख भी की जा चुकी है, लेकिन बारिश से पूर्व निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया। जिससे बारिश में ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आंगनबाड़ी केंद्र से जूनियर स्कूल तक जल्द पक्की सड़क का निर्माण कराने की मांग की है।

दो सगे भाइयों द्वारा मोहल्ले की एक युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। दो सगे भाइयों द्वारा मोहल्ले की एक युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने की शिकायत पीड़ित मां ने कोतवाली में तहरीर देकर की है। मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र निवासी एक महिला ने पुलिस को बताया कि उनकी 20 वर्षीय बेटी को दो सगे भाई आमिर व अरमान ने अपने प्रेमजाल में फंसा लिया है। दो दिन पूर्व वह उनकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गए है। खोजबीन के बाद भी उनकी बेटी का पता नहीं चल रहा है। उसकी बेटी को ले जाता हुआ कुछ लोगों ने देखा है। पीड़ित मां ने बेटी की सकुशल बरामदगी की गुहार पुलिस से लगाई है। वहीं, मां की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया पर जातिसूचक टिप्पणी व गाली-गलौज का वीडियो वायरल, आरोपी नीरज सक्सेना पर केस दर्ज करने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। सोशल मीडिया पर दलित, अहिरवार (जाटव) समाज और बोधिसत्व डॉ. भीमराव आंबेडकर के प्रति जातिसूचक शब्दों का प्रयोग व अभद्र गालियां देने का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक व्यक्ति द्वारा खुलेआम प्रयोग की गई अमर्यादित भाषा के चलते समाज में भारी आक्रोश और गहरा असंतोष फैल गया है, जिससे क्षेत्र का सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है।

मामले को लेकर जालौन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पिपरायां निवासी वीरेंद्र अहिरवार (पुत्र लखन) ने प्रभारी निरीक्षक को लिखित तहरीर सौंपी है। शिकायती पत्र में बताया गया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में अहिरवार व अन्य संबंधित वर्गों के विरुद्ध अत्यंत अशोभनीय, विद्वेषपूर्ण और अपमानजनक टिप्पणियां की गई हैं, जिससे पूरे समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। तहरीर के अनुसार, वीडियो में अभद्रता करने वाले आरोपी की पहचान जालौन नगर निवासी नीरज सक्सेना के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता एवं पीड़ित समाज के लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट और आईटी एक्ट की सुसंगत धाराओं में तत्काल प्राथमिकी (स्नढ्रक्र) दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

ललितपुर। उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण के तहत शुक्रवार को ललितपुर पुलिस ने जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में मिशन शक्ति टीमों, एंटी रोमियो टीमों और महिला बीट पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद किया। अभियान के दौरान विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों, बस स्टैंडों, सार्वजनिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। एंटी रोमियो टीमों ने विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद किया। टीमों ने उन्हें आत्मरक्षा एवं व्यक्तिगत सुरक्षा के उपाय बताए और किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीडन् अथवा असामाजिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। पुलिस ने महिलाओं, बालिकाओं और आमजन को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 108 एंबुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन और 1930 राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन पर जरूरत पडने् पर संपर्क करने की अपील की गई। ललितपुर पुलिस ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा।

मछली का शिकार कर रहा युवक खुद हो गया शिकार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)29अगस्त। महेवा ब्लॉक के कालपी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मंगरौल में नून नदी में मछली का शिकार कर रहे युवक का पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया जो काफी देर तक डूबता उछलता रहा इसके बाद दिखाई देना बंद हो गया।फिर उसके छोटे भाई ने इसकी सूचना डायल 112 को दी सूचना पाकर तुरंत घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को ढूंढने की कोशिश शुरू की।

जानकारी के अनुसार महेवा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम मंगरौल में 3बजे के आस पास सम्राट अशोक पुत्र हनुमान उम्र 30 वर्ष नई बस्ती निकासा कालपी जो अपने छोटे भाई हिमांशू के साथ मछली का शिकार करने आया था तभी पैर फिसलने के कारण वह गहरे पानी में समा गया जिसकी जानकारी उसके भाई ने पुलिस को दी सूचना पाकर मौके पर मय फोर्स के पहुंचे कालपी इंस्पेक्टर अजय ब्रह्म तिवारी ने गोताखोरों की मदद से शव ढूंढने की कोशिश शुरू को लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण समाचार लिखे जाने तक सफलता हाथ नहीं लगी थी वहीं परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है।

आखिरी मैच में भारत के सामने बेल्जियम को उसी के गढ़ में हराने की चुनौती

नई दिल्ली

वॉवरे (बेल्जियम)। पांच दशक बाद विश्व कप में पदक जीतने का सपना टूटने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम आखिरी मैच में जीत के साथ स्वदेश लौटना चाहेगी लेकिन आज शुक्रवार को होने वाले इस मुकाबले में उसके सामने सह मेजबान और मौजूदा प्रो लीग चैम्पियन बेल्जियम को उसके मैदान पर हराने की कठिन चुनौती है।

नीदरलैंड के एम्सटेल्वीन में पहले और दूसरे चरण के मैच खेलने वाली भारतीय टीम पूल ई में चौथे स्थान पर रहने के बाद सातवें / आठवें स्थान का क्लासीफिकेशन मुकाबला खेलने यहां आई है लेकिन हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम की राह इतनी आसान नहीं है क्योंकि उसके सामने 2018 विश्व कप चैम्पियन दुनिया की दूसरे नंबर की टीम है जो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। बेल्जियम भी सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने के झटके से उबरकर आखिरी मैच जीतने का पूरा प्रयास करेगी।

विश्व कप हॉकी : मैच भारतीय समयानुसार रात 9.45 से

भारत ने 14 गोल किए, 16 गंवाए

अर्जेंटीना के खिलाफ दूसरे दौर के आखिरी मैच में हारकर बाहर हुई भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में धीमी शुरुआत और 60 मिनट तक लय बरकरार नहीं रख पाने के लिये आलोचना झेल रही है। भारत ने टूर्नामेंट में 14 गोल किये और 16 गंवाये। विश्व कप में सातवां स्थान हासिल करने के अलावा भारत को अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों से पहले मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराकर अपना खोया आत्मविश्वास भी हासिल करना होगा।

भारत को पेनल्टी कॉर्नर में लानी होगी विविधता

भारत को पेनल्टी कॉर्नर में भी विविधता लानी होगी चूंकि कप्तान हरमनप्रीत पर अत्यधिक निर्भरता भारी पड़ रही है। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह को अपने अनुभव का इस्तेमाल करना होगा जो अभी तक नजर नहीं आया है। पेरिस ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड के खिलाफ भी 40 मिनट तक उम्दा खेल दिखाने के बाद भारत ने आखिरी बीस मिनट में तीन गोल गंवाये और 1-3 से पराजय का सामना करना पड़ा। पूल चरण में भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से और वेल्स को 3-1 से हराया था लेकिन इंग्लैंड से 4-2 से हार गया था।

बेल्जियम में गलतियों की गुंजाइश नहीं : कोच

भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन का मानना है कि बेल्जियम के खिलाफ गलतियों की गुंजाइश नहीं होगी और उनकी टीम को सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। उन्होंने कहा, "मैं अपनी टीम की बात करूं तो हम जीत के साथ टूर्नामेंट से विदा लेने की कोशिश करेंगे। हमारा काम अभी पूरा नहीं हुआ है और हमें अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा। हमें डिफेंस में सुधार की जरूरत है जिसके आधार पर अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे।

बेल्जियम का हौसला भी बुलंदी पर है

दूसरी ओर पहले चरण में दो मैच जीतने और एक हारने के बाद बेल्जियम ने दूसरे चरण में ऑस्ट्रेलिया और स्पेन से ड्रॉ खेले जिससे अपने देश में खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया। बेल्जियम ने प्रो लीग के पिछले सत्र में भारत को फरवरी में राउरकेला में 4-2 और 3-1 से हराया था। बेल्जियम के टॉम बून 19 गोल करके प्रो लीग के इस सत्र में सर्वाधिक गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी रहे और इस विश्व कप में भी पांच गोल कर चुके हैं। वहीं उनके साथी पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने प्रो लीग में 15 गोल दागे थे।

खबर संक्षेप

भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट मैच टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री

वेलिंगटन। भारत के बहु प्रारूप के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है और मेजबान क्रिकेट बोर्ड द्वारा सदस्यों के लिए शुरू की गई टिकटों की बिक्री के शुरुआती 48 घंटे में 26,000 टिकट बिक गए। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य विपणन एवं वाणिज्यिक अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने कहा कि टिकटों की कीमत पिछले सत्र के समान रखी गई है और 'क्रिकेट नेशन' के प्रवेश कोड का इस्तेमाल करने पर एक टिकट 30 न्यूजीलैंड डॉलर से कम में उपलब्ध है। आम दर्शकों के लिए टिकटों की बिक्री सात सितंबर से शुरू होगी।

एशियाई खेलों के क्रिकेट वेन्यू को लेकर बोर्ड्स चिंतित

नई दिल्ली। इस बार एशियाई खेलों का आयोजन जापान में होना है, जिसमें क्रिकेट भी शामिल है।

इस बीच खबर है कि इस आयोजन को लेकर के कई क्रिकेट बोर्ड्स ने सवाल उठाए हैं। दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड सहित कई प्रमुख बोर्ड्स ने जापान में क्रिकेट के मैदानों और वहां की व्यवस्थाओं को लेकर के अपनी चिंता जाहिर की है। जापान के शहर नागोया के पूर्व में स्थित एक छोटे से शहर, निशिन में एशियाई खेलों के लिए क्रिकेटर आएंगे।

एमबाप्पे की हैट्रिक से रीयाल मैड्रिड जीता

मैड्रिड। कीलियन एम्बाप्पे की हैट्रिक की बदौलत रीयाल मैड्रिड ने बुधवार को यहां स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में रीयाल सोसीदाद को 4-1 से हराया जबकि पदार्पण कर रहे साविन्हो के गोल की मदद से टोटेनहैम ने इंग्लिश लीग कप में चार्ल्टन को 5-1 से शिकस्त दी। चैंपियन्स लीग के क्वालीफाइंग में नॉर्वे के वाइकिंग, तुर्किये के फेनेरबाश, यूनान के एईके एथेन्स और स्लोवाकिया के स्लोवान ब्रातिस्लावा ने प्रतियोगिता के लीग चरण में जगह पक्की की।

टी-20 में सर्वाधिक रन वाले बल्लेबाज बने पोलार्ड

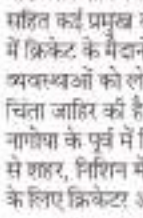

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज कीरोन पोलार्ड एक बार फिर टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर को पीछे छोड़ा है। पोलार्ड ने कैरेबियाई प्रीमियर लीग (CPL) 2026 के 17वें मैच में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से सेंट लुसिया के खिलाफ अर्धशतक (65) लगाया और इस दौरान ये मुकाम हासिल किया। इस साल की शुरुआत में, पोलार्ड ने टी-20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का क्रिस गेल का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ा था।

श्रीलंका ने फॉलोऑन खेलने के बावजूद

दिनुशा के शतक ने टीम इंडिया की जीत पर फेरा पानी, कोलंबो टेस्ट ड्रा, भारत ने जीती सीरीज

कोलंबो

सोनल दिनुशा के मैच के दूसरे और श्रृंखला के तीसरे शतक से श्रीलंका ने भारत के खिलाफ फॉलोऑन खेलने के बावजूद दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट को ड्रॉ करा दिया लेकिन मेहमान टीम ने श्रृंखला 1-0 से जीत ली। पैर में जकड़न से जूझने के बावजूद दिनुशा ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए नाबाद 133 रन की पारी के दौरान 264 गेंद का सामना किया और भारत की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

कल के नाबाद सात रन से आगे खेलते हुए दिनुशा ने भारतीय गेंदबाजों को अंतिम दिन पूरी तरह से बेअसर साबित किया। दिनुशा की अगुआई में श्रीलंका ने दूसरी पारी में जब 154 ओवर में नौ विकेट पर 429 रन बनाए थे तब दोनों टीम मैच ड्रॉ कराने पर सहमत हो गई। इस समय श्रीलंका को 216 रन की बढ़त हासिल थी।

इस तरह से रोचक रहा मैच

कोलंबो टेस्ट में भारत ने अपनी पहली पारी में 503/9 का स्कोर बनाया, जिसमें देवदत्त पडिक्कल (117) और ध्रुव जुरेल (115*) ने शतक लगाए। जवाब में श्रीलंकाई पारी दिनुशा के शतक की मदद से 290 रन पर ही सिमट गई। इसके बाद फॉलो-ऑन खेलने पर मजबूर हुई मेजबान टीम ने पथिंदु सुरियाबंदारा (92) और दिनुशा (133*) की बदौलत 429/9 का स्कोर बनाया और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

पंत ने छक्कों के मामले में गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ा

पंत ने अपनी पारी में 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में छक्कों के मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट (100) को पीछे छोड़ दिया। पंत अब टेस्ट क्रिकेट में तीसरे सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं। इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स (136) पहले और न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम (107) दूसरे नंबर पर हैं।

दिनुशा ने दोनों पारियों में शतक लगाया

दिनुशा भारत के खिलाफ टेस्ट की दोनों पारियों में शतक (113 और 133*) लगाने वाले श्रीलंका के सिर्फ तीसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले दलीप मेंडिस (105 और 105, 1982) और अरविंद डी सिल्वा (146 और 120, 1997) ऐसा कर चुके थे। अरविंद (2 बार), कुमार संगाकारा (2 बार), दलीप मेंडिस, अरावा गुरुसिन्हा, तिलकरत्ने दिलशान, धनंजय डी सिल्वा और कामिंदु मेंडिस के बाद दिनुशा टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले 8वें श्रीलंकाई बल्लेबाज हैं।

दिनुशा इस विशेष सूची में हुए शामिल

दिनुशा ने पहले टेस्ट में 100 और 84 रन के स्कोर किए थे। इसके बाद तीसरे टेस्ट की अपनी पहली पारी में 113 रन बनाए थे। वह अब तीसरे ऐसे श्रीलंकाई बल्लेबाज बने, जिन्होंने 2 मैचों की टेस्ट सीरीज की अपनी चारों पारियों में 50+ रन बनाए।

पडिक्कल ने लगाया शतक

नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए पडिक्कल ने सीरीज के कोलंबो टेस्ट की अपनी पहली पारी में 117 रन बनाए। यह उनका लगातार दूसरा टेस्ट शतक साबित हुआ। इससे पहले उन्होंने सीरीज के पहले गॉल टेस्ट में 167 रन की पारी खेली थी। पडिक्कल ने सीरीज में 300 से अधिक रन बनाए। इस सीरीज के पहले टेस्ट में उन्होंने 167 और 44 रन के स्कोर किए थे और भारतीय टीम को जीत मिली थी।

पडिक्कल ने बनाए ये रिकॉर्ड्स

भारत के नंबर-3 बल्लेबाजों द्वारा विदेशों में लगातार 2 टेस्ट में शतक लगाने का पिछला कारनामा चेतेश्वर पुजारा ने किया था। पुजारा ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2018-19 में मेलबर्न में 106 और 0 रन, और उसके बाद सिडनी में 193 रन की पारी खेली थी। पडिक्कल अब श्रीलंका में खेली गई एक टेस्ट सीरीज में 2 शतक लगाने वाले 7वें भारतीय बल्लेबाज बने। उनसे पहले विनोद कांबली, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, शिखर धवन और पुजारा ऐसा कर चुके हैं।

जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक

जुरेल ने लगाया अपना दूसरा टेस्ट शतक भारत ने जब 246 रन के स्कोर पर अपना 5वां विकेट खोया, तब जुरेल क्रीज पर आए। विकेटों के पतन के क्रम में उन्होंने टिककर बल्लेबाजी की और पंत के साथ 112 रन की साझेदारी की। उम्दा लय में बल्लेबाजी करते हुए जुरेल ने दूसरे दिन अपना शतक पूरा किया। वह 115 रन बनाकर नाबाद रहे और भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। यह जुरेल के टेस्ट करियर का दूसरा ही शतक साबित हुआ।

अमेरिकी ओपन

मुचोवा-मेंसिक ने जीता मिश्रित युगल खिताब

न्यूयॉर्क

कैरोलिना मुचोवा और याकूब मेंसिक ने बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली को 6-3, 1-6, 10-6 से हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया।

चेक गणराज्य की जोड़ी ने दो दिन की इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन दोनों मुकाबले मैच टाईब्रेक में जीते। मेंसिक की तेज सर्विस और नेट पर शानदार खेल ने इस जोड़ी की जीत में अहम भूमिका निभाई। मेंसिक ने ऐस के साथ फाइनल का अंत किया। इस जोड़ी को 10 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। सेमीफाइनल में भी मुचोवा और मेंसिक हार के करीब पहुंच गए थे लेकिन दो मैच प्वाइंट बचाने के बाद उन्होंने लगातार चार अंक जीतकर मीरा आंद्रीवा और आंद्रे रुबलेव को 5-4, 3-5, 11-9 से शिकस्त दी। बेनसिच और कोबोली ने पहले सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स की पति-पत्नी की जोड़ी को 4-5, 4-1, 10-5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

इस प्रारूप से खेला गया फाइनल टूर्नामेंट

फाइनल टूर्नामेंट का एकमात्र मुकाबला था जो सामान्य टेनिस मैच जैसा खेला गया। इसमें सेट छह गेम के थे और छह-छह की बराबरी पर टाईब्रेक हुआ। शुरुआती तीन दौर में सेट चार गेम के थे और चार-चार की बराबरी पर टाईब्रेक खेला गया था

भारतीय महिला हॉकी टीम ने रचा इतिहास

जर्मनी को 3-1 से हराकर विश्व कप में 5वें स्थान पर रहा भारत

बेटियों का कमाल, 52 साल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

एम्सटेल्वीन

विश्व कप में सिर्फ एक मैच हारने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन जारी रखते हुए नवनीत कौर के दो गोल की मदद से पांचवीं रैंकिंग वाली जर्मन टीम को 3-1 से हराकर पांचवां स्थान हासिल किया जो पिछले 52 साल में उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज भारत को इस टूर्नामेंट में एकमात्र पराजय का सामना ओलंपिक चैम्पियन सह मेजबान नीदरलैंड के हाथों (0-2) करना पड़ा था। दूसरे दौर के आखिरी मैच में आस्ट्रेलिया से गोलरहित ड्रॉ के बाद सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हुई कोच शोर्ड मारिन की टीम ने जर्मनी के खिलाफ सारी कसर निकालते हुए आखिरी 17 मिनट में तीन गोल दागे। भारत के लिये इशिका (43वां मिनट), नवनीत (44वां और 47वां) ने गोल दागे। जर्मनी के लिये लिन क्रिस ने 59वें मिनट में एकमात्र गोल दागा। इसी जर्मन टीम ने टूर्नामेंट से पहले दो अभ्यास मैचों में भारत को हराया था। क्लासीफिकेशन मैच में पहले 43 मिनट तक दोनों टीमें एक दूसरे को आजमाती रहीं लेकिन कामयाबी नहीं मिली और आखिरी सत्रह मिनट में भारत ने जबर्दस्त पासिंग, बेहतरीन फिनिशिंग और मजबूत रक्षण का प्रदर्शन करते हुए जर्मनी को संभलने का मौका ही नहीं दिया। जर्मनी को मैच में पांच पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारतीय गोलकीपर और डिफेंस चट्टान की तरह अडिग रहा। विश्व कप में पहली बार खेल रही 11 खिलाड़ियों के साथ उतरे कोच मारिन के साथ ड्रैग फ्लिक कोच ताइके ताकेमा और विश्लेषण कोच मथियास विला जीत के बाद उछलते नजर आये। सन 1974 में अजिंदर कौर की अगुवाई में पहले विश्व कप में चौथे स्थान पर रहने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों से पहले इस प्रदर्शन से भारतीय टीम का आत्मविश्वास जरूर बढ़ा होगा। पहले ही मैच में ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 2-2 से ड्रॉ पर रोकने वाली भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से हराया था लेकिन फिर इंग्लैंड से ड्रॉ खेला था। एकमात्र पराजय दूसरे चरण में डच टीम के हाथों मिली लेकिन मेजबान ने दोनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर दागे थे।

यस्तिका-अनुष्का संभालेंगी भारत 'ए' टीम की कमान

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड की महिला चयन समिति ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया ए के आगामी भारत दौरे के लिए टीम की घोषणा की जिसमें अनुष्का शर्मा तीन मैच की टी20 श्रृंखला में भारत ए की कप्तानी करेंगी जबकि यस्तिका भाटिया एकदिवसीय और बहुदिवसीय टीम की अगुवाई करेंगी।

सयाली सतघरे टी20 में उपकप्तान होंगी जबकि अनुष्का एकदिवसीय और बहुदिवसीय प्रारूप में उपकप्तान होंगी। दौरा 12 सितंबर से शुरू होगा और इसमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय तथा चार दिवसीय एक मैच शामिल है।

संजय बांगड़ की बेटी अनाया फिर खेल सकेंगी क्रिकेट

ऑस्ट्रेलिया ने खेलने की अनुमति दी, सर्जरी-हार्मोन रिप्लेसमेंट से बदला था जेंडर

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ अब क्रिकेट में वापसी कर सकती हैं। अनाया का जन्म एक लड़के के तौर पर हुआ था। उनका नाम आर्यन था। उन्होंने बाद में सर्जरी और हार्मोन रिप्लेसमेंट के जरिए खुद को लड़की बना लिया और अपना नाम अनाया रख लिया। जेंडर बदलवाने के कारण उन्हें खेल से बाहर होना पड़ा था। अब अनाया भारत में न सही ऑस्ट्रेलिया जाकर दोबारा क्रिकेट खेल सकती हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया

(सीए) ने उन्हें अपनी ट्रांसजेंडर पॉलिसी के तहत ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट खेलने की अनुमति दी है। फैसले के मुताबिक अनाया मार्च 2027 से एलीट महिला क्रिकेट खेल सकती हैं। हालांकि, सीए की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया की लीग विमेंस बिग बैश की किसी टीम में कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है। अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन की प्रक्रिया के दौरान हार्मोन थेरेपी कराई और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से संपर्क किया। सीए ने उनके मामले की समीक्षा के बाद उन्हें फिलहाल ऑस्ट्रेलिया की प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति दी है।

18 सितंबर से शुरू होगी एकदिवसीय श्रृंखला

द्रविड़-सहवाग के बेटे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की अंडर-19 वनडे टीम में शामिल

नई दिल्ली

दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटों क्रमशः अन्वय और आर्यवीर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 18 सितंबर से होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की चयन समिति ने तीन एकदिवसीय और दो मल्टी डे मुकाबलों के लिए अलग-अलग

टीम का चयन किया है। लक्ष्य रायचंदानी एकदिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे जबकि यशवर्धन सिंह चौहान को लंबे प्रारूप के मुकाबलों के लिए कप्तान बनाया गया है। अन्वय और आर्यवीर दोनों को केवल एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। तीनों एकदिवसीय और पहला मल्टी डे मैच राजकोट में खेला जाएगा, जबकि दूसरा बहुदिवसीय मुकाबला अहमदाबाद में होगा।

आर्यवीर पहली बार टीम में शामिल : दिल्ली प्रीमियर लीग में खेल रहे 18 वर्षीय आर्यवीर को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं भारत के पूर्व कप्तान और कोच द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय ने एकदिवसीय टीम में अपना स्थान बरकरार रखा है। वह पिछले महीने श्रीलंका दौरे पर गई अंडर-19 टीम का हिस्सा थे।

भारत अंडर-19 एकदिवसीय टीम

लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान, रजत मौर्य, आर्यवीर सहवाग, वीर्य विवेक, कुशाग्र ओझा, अनुज राजपूत, नमन पुष्कर, अन्वय द्रविड़, वी यशवीर, रोहित यादव, वाहिल विवेक, मोहित उल्वा, विग्नेश्वरन वेंकट और कान्हा पटेल।

भारत अंडर-19 मल्टीडे टीम:

यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी, सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, नमन पुष्कर, कुश पटेल, मानव कृष्णा, अभिज्ञान विश्वास, रोहित यादव, ईशान सूद, अथर्व आदवंश प्रसाद शुक्ला, हिमांशु सिंह, मोहित उल्वा और अनंत यादव।

पर्व उद्देश्य / डॉ. मोनिका शर्मा

भाई-बहन का रिश्ता बहुत अनमोल होता है। भाई अपनी बहन के लिए और बहन अपने भाई लिए बहुत बड़ा सपोर्ट होती है। जरूरत पड़ने पर दोनों एक-दूसरे की मदद करते हैं, ताकत बनते हैं। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन, इसी उद्देश्य से मनाते हैं कि उनका रिश्ता हमेशा मधुर रहे, मजबूत बने, वे एक-दूसरे के लिए सबसे न्यारे और प्यारे बनें।

बनो प्यारे-न्यारे से भाई-बहन

प्यारे बच्चो, रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन को स्नेह-प्यार की डोरी से बांधता है। सुरक्षा और संबल देता है। इस त्योहार के नाम पर ध्यान दोगे तो समझ में आएगा 'रक्षा' का मतलब ही सुरक्षा है। साथ ही 'बंधन' का अर्थ है-प्रेम का वह धागा, जो भाई की कलाई पर बहन बांधती है। कितनी प्यारी बात है ना, एक रंगीन धागे से भाई-बहन के जीवन में सतरंगी खुशियां बिखरती हैं। बचपन से जुड़ा यह प्यारा रिश्ता पूरी जिंदगी भाई और बहन दोनों को आपस में जोड़े रखता है। एक सुरक्षा देता है। दोनों को सबल बनाता है। बच्चो, इस जुड़ाव को मजबूती देने के लिए हमेशा एक-दूसरे को अच्छे से समझना जरूरी है। स्नेह-साथ का भाव रखना आवश्यक है। ताकि भाई के मन में अपनी बहन और बहन के मन में अपने भाई का साथ देने वाली भावनाएं हमेशा बनी रहें।

सबसे प्यारे दोस्त

भाई-बहन एक-दूसरे के सबसे प्यारे दोस्त होते हैं। वह दुनिया में आने के बाद होने वाली सबसे पहली दोस्ती भी होती है। बच्चो, स्कूल या आस-पड़ोस में तो तुम्हारे मित्र बाद में बनते हैं, सबसे पहले तो बहन का भाई ही उसका फ्रेंड बनता है। इसी तरह भाई के लिए उसकी बहन ही उसकी पहली मित्र होती है। हल्की-फुल्की नोक-झोंक, मान-मनुहार और खट्टी-मीठी शिकायत वाली प्यारी बातें, सबसे पहले तुम्हें इस रिश्ते में ही देखने-जीने को मिलती हैं। असल में भाई-बहन का यह एक रिश्ता बहुत से रिश्तों को समेटे होता है। फ्रेंड, राजदार, एडवाइजर और कभी-कभी कट्टी हो जाने पर बड़ों से शिकायत करने वाला क्यूट-सा विरोधी। जाने कितने ही रूपों में भाई-बहन एक-दूसरे के साथ जीवन से जुड़ी बातों-हालातों को जीते हैं। इसीलिए तुम सब भी इस रिश्ते को मन से समझने और अपने भाई या बहन से जुड़े रहने में बिल्कुल पीछे नहीं रहना।

मन को स्ट्रेंथ देता बॉन्ड

भाई-बहन का साथ कठिन समय में सबसे बड़ा संबल बनता है। मुश्किलों में भले पूरी दुनिया साथ छोड़ दे, पर भाई कभी अपनी बहन का साथ नहीं छोड़ते, हमेशा अपनी बहन से किया वादा निभाते हैं। वहीं बहनें भी हर परेशानी में अपने भाइयों की हिम्मत बढ़ाती हैं, साथ खड़ी होती हैं। दोनों ही मुश्किल समय में न सिर्फ सबसे पहले मदद के लिए आगे आते हैं बल्कि एक-दूजे की ढाल बनकर साथ डटे रहते हैं। यह बॉन्डिंग दूसरे सभी रिश्तों से कहीं ज्यादा पक्की होती है। साथ ही भाई हो या बहन, पूरे अधिकार से एक-दूसरे से मदद भी मांग सकते हैं। बिना संकोच के अपनी तकलीफें बता सकते हैं। बचपन से ही छोटी-छोटी आदतों को लेकर प्यार से रोक-टोक भी कर सकते हैं। उनकी समझाइश मन को अच्छी लगती है। यही वजह है कि भाई और बहन का यह प्यारा सा अनोखा रिश्ता जिंदगी भर मन को स्ट्रेंथ देने वाला बॉन्ड बना रहता है।

पूरे परिवार को जोड़ता है रक्षाबंधन

रक्षाबंधन का धागा भाई-बहन को एक-दूसरे के साथ ही नहीं, पूरे परिवार के साथ रहना सिखाता है। तुमने देखा होगा कि इस दिन पापा की बहन यानी तुम्हारी बुआजी भी पापा को राखी बांधने आती हैं। ऐसे ही मम्मी के भाई यानी तुम्हारे मामाजी भी मम्मी से राखी बंधवाने आते हैं। वे अपने बचपन की यादें शेयर करते हुए भावुक हो जाते हैं। बड़े होने पर भी प्यार की यह डोरी भाई-बहन को दिल से जोड़े रखती है। यह बात सिखाती है कि परिवार के सभी लोगों में प्यार बना रहना चाहिए। बच्चो, तुम्हें भी अपने प्यारे बहन-भाई के साथ हंसी-खुशी यह प्यारा पर्व मनाना चाहिए। पूरे परिवार को जोड़ने वाले मम्मी-पापा को तुम भाई-बहनों के बीच इस जुड़ाव को देखकर बहुत खुशी मिलती है। उनके मन को यह भरोसा मिलता है कि दोनों भाई-बहन यूं ही मान-मनुहार के साथ सदा एक-दूजे का संबल बने रहेंगे। इसीलिए बच्चो, तुम सब भी इस सुंदर पर्व को मनाते हुए प्यारे-न्यारे से भाई-बहन बने रहो। हमेशा एक-दूसरे का संबल बनो, एक-दूसरे की ताकत बनो। *

सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं!

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

रक्षाबंधन आया!

पावन रक्षाबंधन आया,
भैया का भी मन हर्षाया।
बहना फूली नहीं समाई,
फूलों के जैसी मुस्काई।
खिला मिठाई तिलक करेगी,
राखी बांध खूब विहंसेगी।
और रुपए देगा भैया,
थिरकेगा मन ता-ता थैया।

मिलजुल रहते भाई-बहना,
मेलजोल जीवन का गहना।
संकट का जब भी क्षण आए,
बहना की वह लाज बचाए।
जीवन खुशियाली में गुजरे,
दर्द न मन के आंगन उतरे।
रक्षाबंधन का संदेशा,
भगे बहन का हर अंदेशा।

फीलिंग्स

भाई-बहन का अनूठा प्यार

बहन भाई को, भाई बहन को जिस तरह एक-दूसरे से प्यार करते हैं, वह बहुत अनूठा होता है। टीवी के चाइल्ड आर्टिस्ट हरिति जोशी अपने भाई और आयुध भानुशाली अपनी बहन से जुड़ी फीलिंग्स शेयर कर रहे हैं **बालभूमि** के साथ।

भाई के साथ बिताया हर पल है खास: हरिति जोशी

सन नियो के शो 'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' में तारा का किरदार निभाने वाली हरिति जोशी ने दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली है। रक्षाबंधन के मौके पर हरिति अपने भाई के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में बताती है, 'मैं अपने भाई से बहुत प्यार करती हूं। वह मेरे लिए सिर्फ मेरा भाई नहीं, बल्कि मेरा सबसे अच्छा दोस्त भी है। वह हमेशा मेरा खयाल रखता है। उसके साथ रहने पर हमेशा कुछ न कुछ मजेदार होता रहता है।' अपने भाई को स्पेशल फील कराने के लिए हरिति हर संभव कोशिश करती है। वह बताती है, 'अपने भाई को स्पेशल फील कराने के लिए मैं उसके साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताती हूं। उसकी पसंद का पूरा खयाल रखती हूं। रक्षाबंधन पर उसे राखी बांधकर उसके हमेशा खुश रहने की कामना करती हूं। यही चीजें हमारे रिश्ते को और खास बनाती हैं।' अपने अब तक के सबसे मेमोरेबल रक्षाबंधन या अपने भाई के साथ बिताए मेमोरेबल मोमेंट्स के बारे में पूछने पर हरिति बताती है, 'भाई के साथ बिताया हर पल मेरे लिए खास है। छोटी-छोटी नोक-झोंक और साथ में की गई मस्ती, ये छोटी-छोटी बातें भाई-बहन के रिश्ते को खूबसूरत बनाती हैं।' इस रक्षाबंधन पर अपने भाई से हरिति क्या स्पेशल गिफ्ट लेगी, वह बताती है, 'मेरे भाई की तरफ से कोई प्यारा-सा सरप्राइज मिल जाए, वही मेरे लिए स्पेशल गिफ्ट होगा। मेरे लिए गिफ्ट से ज्यादा भाई से मिलने वाला प्यार इंपॉर्टेंट है।' *

मेरी सबसे बड़ी सपोर्टर हैं मेरी बहन: आयुध भानुशाली

सोनी सब के शो 'हस्तिनापुर के वीर' में दुर्योधन का किरदार निभा रहे आयुध भानुशाली को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी बहन को लेकर अपनी फीलिंग्स शेयर करते हुए आयुध बताता है, 'मेरी बहन मेरे लिए सिर्फ बहन नहीं, इससे कहीं बढ़कर हैं। वह मुझसे कई साल बड़ी हैं। वह मेरी इकलौती बहन हैं और मैं उनका इकलौता भाई हूं। मेरी बहन मेरी सबसे अच्छी दोस्त, मेरी टीचर और मेरी सबसे बड़ी सपोर्टर भी हैं।' अपनी इतनी प्यारी बहन को स्पेशल फील कराने के लिए आयुध क्या खास करता है, पूछने पर वह बताता है, 'उन्हें स्पेशल फील कराने के लिए हम हर साल उनका जन्मदिन और रक्षाबंधन बड़े ही खास तरीके से मनाते हैं।' अपने अब तक के सबसे मेमोरेबल रक्षाबंधन के बारे में आयुध बताता है, 'मेरा सबसे मेमोरेबल रक्षाबंधन पिछले साल का था। रक्षाबंधन पर मैं अपने शो की शूटिंग के लिए जयपुर में था। मुझे लगा कि इस बार हम साथ में रक्षाबंधन सेलिब्रेट नहीं कर पाएंगे। अगली सुबह जब मैं सोकर उठा तो मेरे सामने मेरी बहन और मेरे पापा बैठे हुए थे। वे मुझे सरप्राइज देने के लिए रात की फ्लाइट लेकर जयपुर आ गए थे। हमने बड़े उत्साह-उमंग के साथ रक्षाबंधन मनाया।' आयुध इस साल रक्षाबंधन पर अपनी बहन को क्या गिफ्ट देगा, वह बताता है, 'इस साल मैं उन्हें ऑल-इन-वन हेयर स्टाइलिंग टूल गिफ्ट करने का प्लान कर रहा हूं।' *

प्रस्तुति: बालभूमि फीचर्स

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

ओजोन की सिलाई

हाल में रेनू मंडल की कहानियों का संकलन आया है 'ओजोन की सिलाई'। इस संकलन में प्रकृति, पर्यावरण, विज्ञान के साथ अपने आस-पास के जीवन से जुड़ी 12 कहानियां हैं। पहली कहानी 'अंकुर और बरगद दादा' में छोटे-बड़े के बीच अंतर के साथ-साथ यह भी बताया गया है कि सफलता के लिए निरंतर परिश्रम-धैर्य की आवश्यकता होती है। 'अनोखी टाइम मशीन' कहानी में जंगल की आपसी बंदरबांट और बढ़ रही खींचतान के बीच पेड़-पौधों को लगाकर पानी बचाने का उल्लू का सुझाव मानकर सभी जानवरों ने हरियाली लाकर यह सिद्ध कर दिया कि ऐसे परिवर्तन मन बदलने से ही संभव हैं। 'अब चिंनी आजाद है' कहानी का मूल मंतव्य यही है कि पक्षियों को खुले में मुक्त रहकर ही उन्हें सुखद अनुभूति होती है। शीर्षक कहानी 'ओजोन की सिलाई' में बिगड़ रहे पर्यावरण संतुलन के कारण ओजोन की छतरी में बढ़ते छेद को कैसे रोककर पर्यावरण को संतुलित रखा जाए, बताया गया है। कहानी 'कथनी और करनी' में पेड़-पौधों के संरक्षण देने की बात कही गई है। 'कबूतर का चश्मा' कहानी में भी प्राकृतिक वातावरण को शुद्ध रखने और प्रदूषण से पृथ्वी को मुक्त रखने की सलाह दी गई है। 'फूल और तितली' कहानी में आन्या तितलियों को शीशी में बंदकर रखना चाहती थी, लेकिन उसके पापा ने बताया कि उसकी तरह तितलियों को भी खुलेपन और हवा की जरूरत होती है। बाद में आन्या ने ड्राइंग प्रतियोगिता में खुले बगीचे में रंग-बिरंगी तितलियों का इतना सुंदर चित्र बनाया कि उसे प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। संग्रह की अन्य कहानियां 'बादल की परेशानी', 'रिटर्न गिफ्ट' और 'साथ रहना है जरूरी' में भी संवेदनशील होने की सीख दी गई है। *

पुस्तक: ओजोन की सिलाई, लेखिका: रेनू मंडल
मूल्य: 350 रुपए, प्रकाशक: नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

कहानी
विमला रस्तोगी

पुलकित को सिखाया सबक

पुलकित अपनी छोटी बहन को बहुत सताया करता था। मम्मी के समझाने का भी उसे कोई असर नहीं होता। यहां तक कि पुलकित के चाचा जी ने भी उसे समझाया फिर भी उस पर कोई असर नहीं हुआ। पुलकित से तंग आकर उसके चाचा जी ने उसे सबक सिखाने के लिए एक प्लान बनाया। क्या था वह प्लान, क्या पुलकित में कुछ सुधार हुआ? पढ़ो, एक प्यारी-सी कहानी।

छह साल की पंखुरी बहुत ही प्यारी लड़की है। घर में उसका एक भाई पुलकित है, जो उससे चार साल बड़ा है। वह पंखुरी को बात-बात पर तंग करता है, चिढ़ाता है। पंखुरी रोने लगती है। मम्मी को यह सब बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। वह पुलकित को बहुत समझाती रहती हैं, 'देखो बेटा, पंखुरी तुमसे कितनी छोटी है। प्यारी-सी गुड़िया जैसी है। तुम उसे तंग करते हो, यह अच्छी बात नहीं है।'

'अच्छा, अब नहीं तंग करूंगा।' पुलकित मम्मी को भरोसा देता। लेकिन कुछ देर बाद ही वह पंखुरी को फिर परेशान करने लगता। मम्मी खीझ उठतीं। पुलकित के पापा अक्सर टूर पर रहते हैं। मम्मी को ही घर-बाहर सब संभालना होता है। पुलकित जिस कॉलोनी में रहता है, उसके चाचा भी वहीं कुछ ही दूरी पर रहते हैं। वह कभी-कभी घर आते हैं। उन्हें भी पुलकित का पंखुरी को तंग करना अच्छा नहीं लगता। वह भी उसे समझाते रहते हैं, लेकिन उस पर कोई असर नहीं होता।

पुलकित बस से स्कूल जाता है। उसके जाने के एक घंटे बाद पंखुरी अपने स्कूल जाती है। वह दोपहर 12 बजे तक स्कूल से आ जाती है। पुलकित 2 बजे आता है।

एक दिन पुलकित स्कूल जाते समय बस्ता लगा रहा था, उसे अपनी पेंसिल नहीं मिली। उसने बहन से पूछा, 'मेरी पेंसिल कहां है पंखुरी?'

'मुझे नहीं पता।' पंखुरी बोली।

'मैं तेरी पेंसिल लेकर जा रहा हूं।' कहकर पुलकित ने पंखुरी की पेंसिल अपने बस्ते में रख ली और तेज कदमों के साथ घर से बाहर निकल गया। पंखुरी उसके पीछे-पीछे भागी, गिर गई, माथा कुर्सी से टकरा गया, वह रोने लगी। मम्मी आईं तो रोते हुए पंखुरी ने उन्हें सारी बात बताई। मम्मी ने देखा, पंखुरी के माथे से खून निकल रहा है। फर्स्ट एड देकर मम्मी तुरंत उसे डॉक्टर के पास ले गईं। उन्होंने उसे ठीक से मरहम-पट्टी कर दी। उस दिन पंखुरी अपने स्कूल नहीं जा पाई। उसी रोज चाचा जी घर आए तो मम्मी ने उन्हें सब बातें बताईं। पापा टूर पर गए थे। मम्मी, पापा को सारी बातें फोन पर बताकर उन्हें परेशान नहीं करना चाहती थीं।

पुलकित स्कूल से वापस लौटा तो पंखुरी के माथे पर पट्टी बंधी देखकर चौंक तुरंत पूछा, 'क्या हुआ इसे?'

'अपनी पेंसिल लेने तुम्हारे पीछे भागी थी, गिर गई। चोट लग गई। जब देखो तब तुम अपनी छोटी बहन को परेशान किया करते रहते हो। यह कितनी गलत बात है।' मम्मी गुस्साईं।

'अब परेशान नहीं करूंगा।' कहकर पुलकित अपनी छोटी बहन के पास बैठ गया। जब तक पंखुरी की चोट ठीक नहीं हुई, पुलकित ने उसे बिल्कुल परेशान नहीं किया। लेकिन कुछ दिनों बाद वह फिर उसे किसी न किसी बात पर तंग करने लगा।

एक दिन पुलकित स्कूल से लौटा तो उसे मम्मी बहुत परेशान-घबराई सी बैठी मिलीं।

'क्या हुआ मम्मी? इतनी परेशान क्यों हैं आप?' पुलकित ने पूछा।

'पंखुरी...' कहते हुए मम्मी का गला भर आया।

'क्या हुआ पंखुरी को..?' पुलकित ने जानना चाहा।

मम्मी ने बताया, 'कुछ देर पहले वह गेट पर खड़ी थी, मैं घर के काम में लगी थी। थोड़ी देर बाद जाकर देखा पंखुरी गेट पर नहीं है।'

'क्या कह रही हो मम्मी! क्या आपने आस-पास के घरों में पूछा? चाचा जी को फोन किया?' पुलकित ने घबराते हुए मम्मी से पूछा।

'हां, मैंने आस-पास के सभी घरों में पूछ लिया। तुम्हारे चाचा जी को भी फोन किया, पंखुरी उनके यहां भी नहीं थी। पता नहीं पंखुरी कहां गायब हो गई?' मम्मी बोलीं।

'मैं चाचा जी के पास जा रहा हूं, उनके साथ पुलिस स्टेशन जाऊंगा।' कहते हुए जल्दी से साइकिल उठाकर पुलकित निकल गया। रास्ते में उसने अपने दोस्त को उसकी बहन के साथ आइसक्रीम खाते देखा तो उसे पंखुरी की बहुत याद आई। राखी भी आने वाली है, स्कूल में अनु बता रही थी। पिछले साल रक्षाबंधन पर कितनी सारी चॉकलेट और मिठाइयां पंखुरी ने मम्मी से मंगवाकर उसे दी थीं। पुलकित मन ही मन यह सब सोचता जा रहा था। उसकी आंखों में आंसू आ गए।

पुलकित चाचा जी के घर पहुंचा। उन्हें सब बातें बताईं। रुंआसा होकर बोला, 'पता नहीं पंखुरी किस हालत में हो? लगता है कोई पकड़ कर ले गया।'

'तुम्हारे लिए तो अच्छा ही हो गया।' चाचा जी ने तंज कसा। 'ऐसा ना कहिए। अब मैं उसे सचमुच में कभी परेशान नहीं करूंगा। कान पकड़ता हूं। जल्दी पुलिस स्टेशन चलिए चाचा जी।' पुलकित रोते हुए बोला।

'चुप हो जाओ पुलकित। आज तुम्हें अपनी गलती का अहसास हो गया है। बैठो, पंखुरी अभी आती होगी।' चाचाजी थोड़ा सहज होते हुए बोले।

'क्या मतलब..?' पुलकित ने चौंक कर पूछा।

'तुम्हारी शैतानियों से मैं, तुम्हारी मम्मी और पंखुरी सब बहुत परेशान थे। तो मैंने भाभी के साथ मिलकर यह प्लान बनाया। तुम्हारे स्कूल से आने से पहले मैं पंखुरी को अपने घर ले आया था। अब तो तुम समझ गए होगे...।' चाचा जी की बात पूरी होने से पहले ही सामने से पंखुरी चाची जी का हाथ पकड़े आ गई। पुलकित ने तुरंत पंखुरी को गले लगा लिया। दोनों भाई-बहन एक-दूसरे का हाथ पकड़े चाचा जी के साथ अपने घर पहुंचे।

कुछ दिन बाद राखी का त्योहार आया। पंखुरी ने लाल रंग की फ्रॉक पहनी, वह बहुत ही प्यारी लग रही थी। पंखुरी ने पुलकित को राखी बांधकर मिठाई खिलाई। पुलकित ने एक बहुत ही सुंदर गुड़िया उसे उपहार में दी। पापा भी आ गए थे। पुलकित और पंखुरी की कई फोटोज पापा ने खींचीं। घर में सभी बहुत खुश थे। *

जीके क्विज-220

1. टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी कौन बन गए हैं?
2. अर्जुन पुरस्कार किस क्षेत्र में दिया जाता है?
3. ओणम किस राज्य का प्रसिद्ध त्योहार है?
4. उगते सूरज का देश किसे कहते हैं?
5. मौर्य साम्राज्य की स्थापना किसने की?
6. विश्व का सबसे बड़ा रेगिस्तान कौन-सा है?
7. लोहे का रासायनिक प्रतीक क्या है?
8. संसार का सबसे छोटा पक्षी कौन-सा है?
9. 'गीतांजलि' के लेखक कौन हैं?
10. शिक्षक दिवस कब मनाया जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-220 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-219 का उत्तर: 1. [illegible], 2. अजीत डोभाल, 3. लद्दाख, 4. हर्षवर्धन, 5. 29 अगस्त, 6. 8 ग्रह, 7. सिक्किम, 8. जीरो डिग्री, 9. अंटार्कटिका, 10. ग्रीनलैंड

जीके क्विज-219 का सही उत्तर देने वाले: हर्षित-बिलासपुर, कोमल-महासमुंद, ध्रुव-बलौदा बाजार, कशिश-दुर्ग, यशिका-रायपुर, दिव्या-रोहतक, आशुतोष-रायगढ़, प्रिया-महेंद्रगढ़, मोहित-बालोद, स्वीटी-धमतरी, कृष्णा-दुर्ग

रंग भरो-209

रंग भरो-209 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

डिंपल, दुर्ग

अहान, जांजगीर

नैतिक, धमतरी

स्वेन, बिलासपुर

दिव्या, बिलासपुर

कुणाल, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

वेदांश-महेंद्रगढ़, अनुष्का-कोरबा, रिया-बिलासपुर, कुसुम-रोहतक, काव्या-जशपुर, सूरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चेतना-कांकेर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, तनीषा-धमतरी, अंकित-जूना, कुणाल-करनाल, हर्षित-बिलासपुर, तेजस-कोरबा

रंग भरो 210

बच्चो, यहां दिए गए स्केच में एक बहन अपने भाई को राखी बांध रही है। तुम इस स्केच में रंग भरकर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजें- संपादक - बालभूमि, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करें।

धर्म, संयम और साधु-संतों की रक्षा का संकल्प है रक्षाबंधन-मुनि विशद सागर

जैन अटा मन्दिर में वात्सल्य महापर्व पर श्रावको ने किए अर्घ समर्पित

ललितपुर। पार्श्वनाथ जैन अटा मन्दिर में आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि विशदसागर महाराज एवं मुनि शिवसागर महाराज के सानिध्य में वात्सल्य पर्व रक्षाबन्धन प्रभावना पूर्वक सम्पन्न हुआ। धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए मुनि विशद सागर महाराज ने रक्षाबंधन पर्व के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन धर्म में रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि धर्म, संयम और साधु-संतों की रक्षा का पावन संकल्प दिवस है। यह पर्व हमें अपने भीतर धर्म की रक्षा करने और दूसरों के जीवन में भी धर्म की ज्योति प्रज्वलित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि श्रावण मास की पूर्णिमा का यह दिन जैन परंपरा में एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी प्रसंग से जुड़ा हुआ है। प्राचीन काल में

हस्तिनापुर में आचार्य श्री अकंपनाचार्य सहित 700 दिगंबर मुनिराजों पर राजा बलि आदि के मंत्रियों द्वारा घोर उपसर्ग किया गया। मुनिराजों ने अपने संयम, धैर्य और आत्मबल को नहीं छोड़ा। उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धर्म और साधना का मार्ग नहीं त्यागा ।इस संकट की घड़ी में महामुनि विष्णु कुमार ने अपनी ऋद्धि और तपोबल के माध्यम से उन साधु-संतों की रक्षा की तथा राजा बलि के अहंकार को शांत किया। उपसर्ग समाप्त होने के बाद मुनिराजों को विधिपूर्वक आहार कराया गया और श्रावकों ने इस मंगल प्रसंग पर हर्ष व्यक्त किया। इसी ऐतिहासिक घटना की स्मृति में जैन समाज में रक्षाबंधन पर्व को विशेष धार्मिक भावना के साथ मनाने की परंपरा चली आ रही है। आज प्रातकाल शराब कौन है प्रभु अभिषेक शांति धारा की और वात्सल्य महापर्व पर पूजन विधान पं. प्रदीप कुमार शास्त्री बाहुबली नगर की देखरेख में समर्पित किए। जैन पंचायत के अध्यक्ष डॉ. अक्षय टडैया़ ने वात्सल्य के महापर्व पर समाज जनों से धर्म एवं धर्मायतों की रक्षा के लिए एकजुट तक का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक मनोज जैन बबीना द्वारा किया गया। धर्मसभा में प्रमुख रूप से जैन पंचायत के अध्यक्ष डॉ. अक्षय जैन टडैया़, महामंत्री आकाश जैन, शीलचन्द अनौरा, अखिलेश गदयाना, संयोजक सनत जैन खजुरिया, अटा मंदिर प्रबंधक अजय जैन गंगचारी व मनोज जैन बबीना, त्यागीवृत्ति संयोजक अमित जैन सर्राफ, प्रतीक इमलिया, राकेश जैन रिंकू, सजल जैन जौली, सुमित खजुरिया, दिलीप चोधरी, अनन्त सर्राफ सहित जैन समाज की सभी श्रेष्ठीगण मौजूद रहे।

अलौकिक रक्षाबंधन समारोह में गूंजा आत्मिक सुरक्षा का संदेश

ललितपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के वरदानी भवन में रक्षाबंधन पर अलौकिक रक्षाबंधन समारोह आध्यात्मिक, आनंदमय एवं दिव्य वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बहन-भाइयों ने रक्षाबंधन के बाहरी स्वरूप के साथ इसके आध्यात्मिक महत्व को समझते हुए पवित्रता, आत्मिक स्मृति और परमात्मा-संबंध का संकल्प लिया। समारोह में राजयोगिनी बीके चित्ररेखा दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राखी केवल रक्षा का बंधन नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा की याद से जोडऩे वाला पवित्र बंधन है। बीके मायारानी दीदी ने कहा कि जब मनुष्य स्वयं को देह नहीं, बल्कि शांत, पवित्र और शक्तिशाली आत्मा समझकर परमात्मा से संबंध जोड़ता है, तो जीवन में आने वाले अनेक दुखों से ऊपर उठने की शक्ति प्राप्त होती है। बीके गीता दीदी ने रक्षाबंधन में तिलक के आध्यात्मिक महत्व को बताते हुए कहा कि परमात्मा मनुष्य को आत्मा का परिचय कराते हैं और मैं कौन हूं की आत्मिक स्मृति दिलाते हैं। बीके रूबी दीदी ने रक्षाबंधन पर दिए जाने वाले उपहार के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परमपिता परमात्मा जब इस धरा पर आते हैं तो अपने बच्चों के लिए ज्ञान, योग, पवित्रता, शांति और शक्तियों की अमूल्य सौगात लेकर आते हैं। उन्होंने कहा कि उपहार प्रेम और आत्मिक नजदीकी का प्रतीक है। बीके प्रियंका दीदी ने सभी को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए प्रेम, पवित्रता और आत्मिक भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में बीके पूजा बहन ने सुंदर कविता प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को भावपूर्ण शुभकामनाएं दीं। समारोह में रक्षाबंधन को केवल परंपरागत त्योहार के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति, पवित्रता और परमात्म-स्मृति के पर्व के रूप में मनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यासागर भाई ने उपस्थित अतिथियों, बहनों एवं भाइयों का आभार व्यक्त किया। समारोह का मुख्य संदेश रहा कि राखी केवल कलाई पर बांधने वाला धागा नहीं, बल्कि आत्मा को पवित्रता और श्रेष्ठ संस्कारों से जोडऩे का संकल्प है। उपस्थित लोगों को प्रेरित किया गया कि रिश्तों को केवल देह के स्तर पर नहीं, बल्कि आत्मिक प्रेम, सम्मान और शुभभावना के साथ निभाएं तथा एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन अपने संस्कारों की रक्षा करें।

कलियुग में रामायण ही राम है: जगतगुरु रामस्वरूपाचार्य

-धर्म की रक्षा के साथ सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं संत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। केशवपुर धाम में आयोजित रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में चल रही संगीतमय श्रीरामकथा के चतुर्थ दिवस चित्रकूटधाम से पधारे श्रीराम कथा के श्रेष्ठ वक्ता कामदगिरि पीठाधीश्वर जगतगुरु रामस्वरुपाचार्य

ने धर्म और संविधान में भेद और कौन महत्वपूर्ण है यह बताते हुए कहा कि संविधान कहता है कि मेरे अनुसार चलिये, उल्लंघन करने पर सजा देंगे लेकिन सजा जब मिलेगी जब कोई अपराध करेगा किंतु धर्म तो अपराधी को अपराध ? करने से पहले ही रोक देता है जोज्ञनहीं मानेगा उसे कानून के अनुसार सजा मिलेगी। इसलिये हमारे रोम रोम में धर्म होना चाहिए। हमारा आचरण धर्म मय होगा तो अपराध करने से बच जायेंगे। उन्होंने कहा कि धर्म की रक्षा हो इस हेतु सतत प्रयास होना चाहिए। भगवान ने राम, कृष्ण अथवा जो भी अवतार लिए हैं वह धर्म की रक्षा के लिए ही लिये हैं। वेद अनुसार 'परित्रायाणां साधूनां विनाशाय चतुष्कृताम्' अर्थात इस धरा धाम पर धर्म की रक्षा का दायित्व प्रभु ने संतों को दिया है। इसलिए संत धर्म की रक्षा के साथ साथ समाज के लोगों को भी सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं ।प्रभु राम की बाल ? लीलाओं का रसास्वादन कराते हुए उन्होंने कहा कि रामअवतार में प्रभु ने मातृ,पितृ और गुरु भक्ति का अनुपम

संदेश दिया है। मानस में गोस्वामी तुलसीदास जी लिखते हैं 'प्रात:काल उठकर रघुनाथा ।माता पिता गुरु नाबहिं माथा।।' उन्होंने आम जनमानस को ब्रह्म मुहूर्त में उठने की सलाह देते हुए धर्म मय आचरण अपनाने पर बल दिया और कहा कि जो नित्य अपने माता पिता की सेवा करते हैं वे सदैव सुखी रहते हैं। वे कहते हैं कि कलियुग में तो रामायण ही राम है। क्योंकि जहां धर्म है वहां विरोध समाप्त हो जाता है और जहां अधर्म है वहीं अभिमान है, झगड़ा है, संघर्ष है,विनाश है। कथा के प्रारंभ में पं. बृजमोहन मिश्रा (गुरुजी)ने चरण पूजन, पीठ पूजन एवं ग्रंथ का पूजन कर मानस की आरती उतारी एवं कथा व्यास का माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया ।मंच का संचालन पं अनूप शास्त्री ने किया।

प्रात: कालीन वेला में पंचकुंडीय श्रीसीताराम महायज्ञ में यज्ञाचार्य हेमंत कौशिक हरपालपुर के आचार्यत्व में विश्व-कल्याण की कामना से श्रीमती शालिनी एकांश मिश्रा, उर्मिला महेश कुमार साहू, प्रियंका सचिन साहू,सरिता अनूप सहगल, साधना आमोद किलपन, प्रगति अमित गंधी, उमा विनोद साहू बालाजी, मोहिनी सत्येंद्र सेन ग्वालियर, मधु राघवेन्द्र सेन खनियांधाना, मनीषा राहुल सोनी,खुशबू नितिन साहू,रिंकी राजू साहू, स्वाति प्रिंस अग्रवाल, जयंती राजकुमार साहू,प्रियंका राहुल शर्मा,पुष्पा दयाशंकर,राधा आशीष यादव, सीमा प्रदीप अग्रवाल, कल्पना पुष्पेन्द्र सेन एवं रीना अजय अग्रवाल, श्रीमती साधना मिश्रा सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने यज्ञ वेदिका में आहुतियां देकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इधर मंदिर परिसर में श्री रामचरितमानस, सीताराम संकीर्तन एवं अखंड श्री हनुमान चालीसा का पाठ अनवरत जारी रहा ।आयोजन समिति के संरक्षक रामस्वरूप साहू एवं मेला प्रभारी राजकुमार साहू ने बताया कि साधु संतों एवं यजमानों को फलाहार एवं आम जनमानस को भण्डारा प्रसादी की व्यवस्था की गयी है जो प्रात: 11बजे से शुरू होकर रात्रि 11अनवरत जारी रहा ।इस मौके पर, सुरेशचंद्र शुक्ला,प्रदीप कुमार शुक्ला, बृजेश नारायण अगरिया, राजेश कुमार शर्मा, राघव ? किलपन, संजय कंचन, सनी साहू, भगवानदास सैन, मनोज मिश्रा, मानवेन्द्र तोमर,विजय शंकर त्रिपाठी दतिया, जैमिनी यादव आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे ।अंत में बैकुंठ प्रसाद चतुर्वेदी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

केशवपुर धाम में आज

केशवपुर धाम रजत जयंती महोत्सव के तहत शनिवार 29 अगस्त को सायंकालीन वेला में रात्रि 8 बजे से ख्याल गायन एवं लोक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा।

रक्षाबंधन पर सहरिया बस्ती पहुंचे पुलिस अधिकारी, बच्चों व महिलाओं को बांटी मिठाई

पाली। रक्षाबंधन पर्व के दृष्टिगत पाली क्षेत्राधिकारी राजेश श्रीवास्तव एवं पाली थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक कुमार ने ग्राम राजगढ़ एवं कस्बा पाली स्थित सहरिया बस्ती में पहुंचकर बच्चों एवं महिलाओं से मुलाकात की। पुलिस अधिकारियों ने इस दौरान बच्चों एवं महिलाओं को मिठाई वितरित कर रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पुलिस अधिकारियों के सहरिया बस्ती पहुंचने पर स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। अधिकारियों ने बच्चों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना तथा पर्व को लेकर उनकी तैयारियों के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही महिलाओं एवं बस्ती के अन्य लोगों से भी संवाद करते हुए उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी राजेश श्रीवास्तव एवं थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक कुमार ने लोगों से रक्षाबंधन का त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सौहार्द के साथ शांतिपूर्वक मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी तरह की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस अधिकारियों ने बस्तीवासियों को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा एवं सहायता के लिए पुलिस सदैव तत्पर है। किसी भी आपात स्थिति अथवा समस्या में पुलिस की हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। पुलिस अधिकारियों द्वारा त्योहार के मौके पर सहरिया बस्ती पहुंचकर बच्चों एवं महिलाओं के बीच मिठाई वितरित करने की पहल की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद एवं आपसी विश्वास से ही सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम किया जा सकता है।

भारी बारिश से ललितपुर के बांध-तालाब उफनाए

पिछले साल के खतरे को देखते हुए प्रशासन अलर्ट

ललितपुर। जिले में लगातार हो रही तेज बारिश से नदी, बांध और तालाबों के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। जलस्तर बढऩे के बाद संबंधित विभागों और प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। उटारी और कचनौंदा बांधों में पानी अधिक होने के कारण अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए गेट खोल दिए गए हैं। वहीं बार क्षेत्र स्थित बक्षसागर तालाब का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है, जिससे आसपास के लोगों में चिंता बनी हुई है। लगातार बारिश के चलते उटारी बांध का जलस्तर बढऩे पर अधिकारियों ने बांध के सभी पांच गेट खोल दिए हैं। गेट खोले जाने के बाद बांध से अतिरिक्त पानी की निकासी की जा रही है। इससे निचले क्षेत्रों में पानी का बहाव बढ़ गया है। संबंधित विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जलस्तर के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। इसी तरह कचनौंदा बांध में भी पानी की आवक लगातार बढऩे के बाद जलस्तर काफी ऊपर पहुंच गया। स्थिति को देखते हुए देर रात बांध के तीन गेट खोलकर अतिरिक्त पानी की निकासी शुरू की गई। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद आसपास के निचले इलाकों में जलप्रवाह बढऩे की संभावना को देखते हुए निगरानी की जा रही है। बार क्षेत्र में स्थित बक्षसागर तालाब का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में तालाब का जलस्तर करीब छह फीट तक पहुंच गया है, जबकि इसकी कुल जलधारण क्षमता लगभग नौ फीट बताई जा रही है। लगातार बारिश जारी रहने से जलस्तर में और वृद्धि की आशंका बनी हुई है। पिछले वर्ष भी बक्षसागर तालाब का जलस्तर बढऩे के बाद इसके फटने का खतरा उत्पन्न हो गया था। ऐसे में इस बार भी प्रशासन और संबंधित विभाग तालाब के जलस्तर पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। जलस्तर में किसी तरह की अप्रत्याशित वृद्धि होने पर समय रहते आवश्यक कदम उठाने की तैयारी की जा रही है ।बांधों के गेट खोले जाने और लगातार बारिश के बीच प्रशासन ने निचले इलाकों एवं जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। लोगों को अनावश्यक रूप से नदी, नाले, बांधों और जलभराव वाले स्थानों के आसपास नहीं जाने की सलाह दी गई है। प्रशासन की ओर से लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना देने का आग्रह किया गया है ।लगातार बारिश के कारण जिले में जलस्रोतों का जलस्तर बढऩे से प्रशासन के सामने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती बढ़ गई है। फिलहाल संबंधित विभाग बांधों और तालाबों की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

11 छोटे दलों के नाम लिखे हैं सर, जो भारत देशम मोर्चा के लिए कुंवर हरिवंश सिंह जी, पूर्व सांसद, राष्ट्रीय अध्यक्ष - अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा को मोर्चा का राष्ट्रीय स बनाना चाहते हैं सर -

रजिस्टर में जो लिखा है सर –

1. लोक बंधु पार्टी – कुंवर संजय सिंह
2. मानवतावादी समाज पार्टी – ऋरु. स्र्डुठ्ठ्1
3. भारतीय मजदूर दल – ईश्वर दयाल सिंह
4. अम्बेडकर युग पार्टी – कमला प्रसाद (स्र्1शष्ठ्ठ्हृद्र)
5. मजदूर क्रांति पार्टी – सी.आर.एन. मानव
6. आदर्श लोक दल (उ.प्र.) – शाकिर अली
7. संयुक्त स्वदेश पार्टी – बबलू श्रीवास्तव
8. भारतीय कामगार पार्टी – मिठाई लाल प्रजापति
9. भारतीय जनक्रांति दल – अजय वर्मा
10. जन सत्ता पार्टी ऑफ इंडिया – शशांक गौश्वर
11. आधी आबादी पार्टी – अरुणा सिंह

पांच तहसीलदारों के कार्यक्षेत्र बदले

ललितपुर। जिला प्रशासन ने प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद के पांच तहसीलदारों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। जिलाधिकारी के आदेश 27 अगस्त 2026 केक्रम में अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार द्वारा नवीन तैनाती के आदेश जारी किए गए हैं। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नवीन कार्यक्षेत्र में कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार नवागत तहसीलदार गौरव कुमार को तहसीलदार (न्यायिक), तालबेहट के पद पर तैनाती दी गई है। वहीं नवागतुक तहसीलदार जगत मोहन जोशी को तहसीलदार, महरौनी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में महरौनी के तहसीलदार रहे सैयद तनवीर हसन का स्थानांतरण करते हुए उन्हें तहसीलदार (न्यायिक), ललितपुर के पद पर नई जिम्मेदारी दी गई है। नवागतुक तहसीलदार अरसलान उर रशीद को तहसीलदार, पाली तथा नवागतुक तहसीलदार मानवेन्द्र सिंह-1 को तहसीलदार, मड़ावारा के पद पर तैनात किया गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि नियमानुसार तहसीलदार (न्यायिक), तालबेहट के पद पर तैनात गौरव कुमार तथा तहसीलदार (न्यायिक), ललितपुर के पद पर तैनात सैयद तनवीर हसन को नियमानुसार न्यायिक भत्ता एवं पुस्तकालय भत्ता देय होगा। प्रशासनिक आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। अधिकारियों की नवीन तैनाती के बाद संबंधित तहसीलों में राजस्व एवं न्यायिक कार्योंके संचालन में बदलाव देखने को मिलेगा।

करगुवांजी में धूमधाम से मनाया गया श्रेयांश नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक

भक्ति के माध्यम से हृदय में वात्सल्य भाव जगायें : विशाश्री माताजी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। अतिशय क्षेत्र करगुवांजी में चल रहे 48 दिवसीय 1008 भक्तामर महा मण्डल आराधना विधान के छब्बीसवें दिन शुक्रवार को गणिनी आर्यिका 105 विशाश्री माताजी के पावन सानिध्य में जैन श्रद्धालुओं ने रक्षाबंधन महापर्व एवं भगवान श्रेयांशनाथ का मोक्ष कल्याणक (निर्वाण लाडू) महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। रक्षाबंधन प्रतियोगिता एवं लाडू सजाओ प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को कमेटी पदाधिकारियों ने पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर मंगल देशना देते हुए गतिशील आर्यिका 105विशा श्री माताजी ने कहा कि आज का दिन हर्ष और उल्लास के साथ खुशियां मनाने का दिन है। आज ही के दिन 65 लाख वर्ष पूर्व 11वें तीर्थंकर श्रेयांशनाथ (विष्णु कुमार) सिद्धस्थ को प्राप्त हुए थे। उन्होंने कहा कि एक बार जब वे अपनी साधना में लीन थे तब सात सौ महामुनियों पर आये संकट की खातिर उन्होंने को अपनी साधना त्यागकर उनकी रक्षा की थी। उन्होंने कहा कि आज हम में से कोई विष्णु कुमार भले ही न बन पाये पर साधना ऐसी करो कि रोम रोम में वात्सल्य प्रकट हो और हम सभी प्राणी मात्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें।

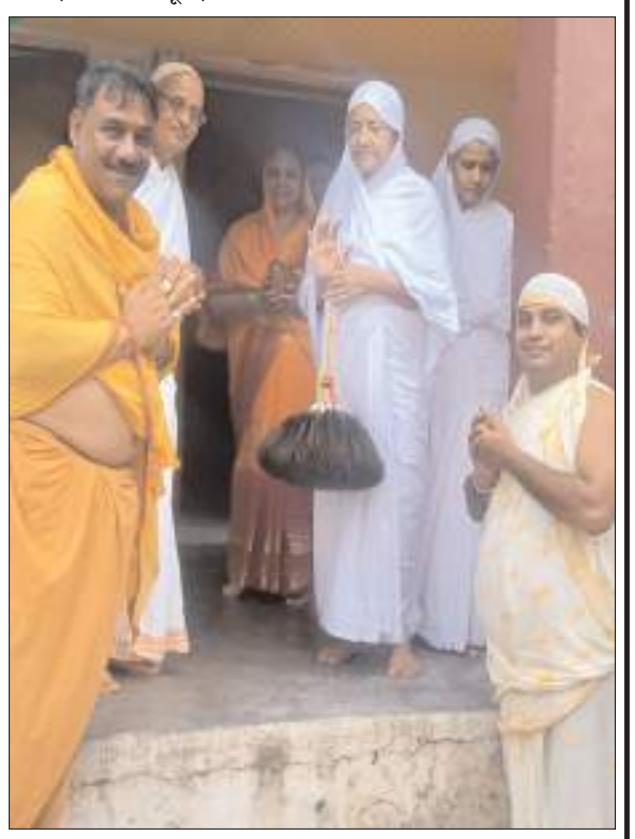

इससे पूर्व शुक्रवार के पुण्यार्जक देवेंद्र कुमार विमलेश जैन,विकास दीप्ति जैन(रुपा हौजरी),कु.नित्या जैन, नैतिक जैन एवं समस्त सिंघई परिवार ने शांतिधारा का सौभाग्य प्राप्त किया,माताजी को शास्त्र भेंटकर पाद प्रक्षालन किया एवं समस्त धार्मिक क्रियायें सम्पन्न कराते हुए अर्घ समर्पित किये। संचालन दिगम्बर जैन पंचायत के महामंत्री कमल ? जैन लोकपथ जैन ने किया ।अंत में विनोद जैन ठेकेदार ने सभी का आभार व्यक्त किया ।इस मौके पर विकास अधिकारी अनुराग जैन, सुनील मोदी, डा.जिनेंद्र कुमार जैन,गौरव जैन नीम,रचना कमल जैन,प्रीति शिरोमणि जैन, रानी बाग चंद्र जैन, अशोक जैनिथ,विकास जैन रानू आदि मौजूद रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718